संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -16 रविवार ,17 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

मैंने केवल एक हैं तो सेफ हैं का विचार रखा, लोगों ने इसे अपना लिया

मुंबई ,16 नवम्बर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो ऐप के माध्यम से महाराष्ट्र के बीजेपी के बूथ कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि अगले कुछ दिन बहुत अहम साबित होने हैं और आप लोगों को बीजेपी और महायुति का संदेश लोगों के घर-घर जाकर पहुंचाना है. पीएम ने कहा केवल पर्चा देकर फॉर्मेल्टी नहीं करनी है बल्कि लोगों के घर जाकर उनके मन को जानना है।

जिसके लिए रखा गया था शोकसभा,उस सभा में उसी की वहां हुई एंट्री

मेहसाणा,16 नवम्बर 2024(ए)। मेहसाणा जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। एक परिवार ने लावारिस शव को अपना बेटा समझकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया. इसके बाद शोकसभा का आयोजन किया गया. लेकिन मृतक अपनी ही शोकसभा में जिंदा पहुंच गया।

सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़,16 नवम्बर 2024(ए)। पंजाब की राजनीति में एक बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी की वर्किंग कमेटी को सौंपा है, जिसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का माहौल है।सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। पार्टी के भीतर कई बदलाव और राजनीतिक समीकरणों के बीच उनका इस्तीफा आने से शिरोमणि अकाली दल की स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में अब इस इस्तीफे के बाद की रणनीतियों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

भारत की जीडीपी अगले तीन वित्त वर्षों में सालाना 6.5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली,16 नवम्बर 2024(ए)।अगले तीन वित्त वर्षों 2025-2027 में भारत की जीडीपी सालाना 6.5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और देश की अच्छी आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता को भी मजबूत करेगी. यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी लेटेस्ट वैश्विक बैंक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च और निजी खपत मजबूत आर्थिक वृद्धि को समर्थन देंगे। रिपोर्ट के अनुसार, संरचनात्मक सुधार और अच्छी आर्थिक संभावनाएं भारत के वित्तीय संस्थानों के लचीलेपन को सपोर्ट करेंगी। मजबूत बैंक पूंजीकरण के साथ उच्च मांग से बैंक ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, आरबीआई की नियामकीय सख्ती से मध्यम अवधि में वित्तीय प्रणाली मजबूत होगी।

असम में कुकी समुदाय पर पुलिस का लाठीचार्ज

» जिरीबाम में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों का शव लेने अड़े थे...

» पुलिस पर पत्थरबाजी की...

गुवाहाटी,16 नवम्बर 2024(ए)। असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाहर पुलिस और कुकी समुदाय के लोगों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया।

दरअसल, मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 उग्रवादियों के परिजन उनके शव मांगने के लिए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे।

असम पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे, लेकिन परिजन शव वहीं सौंपे जाने की मांग करते हुए पत्थरबाजी पर उतर आए।

इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसके बाद हालात काबू में आए और परिजन मणिपुर पुलिस से शव लेने पर सहमत हुए। इसके बाद शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट किया गया।

इससे पहले शुक्रवार को बराक नदी में तीन शव मिलने के बाद घाटी में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शवों में एक आठ महीने का बच्चा भी शामिल था।

11 नवंबर को सीआरपीएफ और पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र उग्रवादियों ने 6 लोगों को अगवा किया था। इनमें से तीन के शव मिलने के बाद तीन विधायकों के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं।

11 नवंबर की मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के शव को 12 नवंबर को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया। अगले दो दिनों में सभी शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया।जिरीबाम और असम के करीब 400 स्थानीय लोग 12 नवंबर से ही एसएमआरएच में डेरा डाले रहे। ये लोग शवों को उन्हें सौंपने की मांग पर अड़े थे। मृतकों के परिवार यहां नहीं आ सकते, इसलिए उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थे।

शनिवार (16 नवंबर) सुबह करीब 10 बजे, असम के कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ एसएमआरएच पहुंचे और शवों को मुर्दाघर से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हुई। पुलिस इन शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट करने वाली थी। लेकिन, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने मुर्दाघर के सामने धरना दिया और पुलिस को अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि शव यहीं सौंपे जाएं। उन्होंने पुलिस को शव लेने से रोक दिया।

पुलिस और अन्य सरकारी अधिकारियों ने कहा कि शव मणिपुर के चुराचांदपुर में सौंपे जाएंगे। इस पर एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम पिछले पांच दिन से यहां इंतजार कर रहे हैं, हम शवों को एयरलिफ्ट नहीं होने देंगे। उन्हें यहां सौंप दें, हम चले जाएंगे।

सरकारी अधिकारियों और पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन करीब एक घंटे की चर्चा के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस को पीछे धकेला, जिसके चलते कुछ पुलिस अधिकारी जमीन पर गिर गए। इसके बाद अधिकारियों ने लाठीचार्ज किया।

इससे भारी अफरातफरी मच गई और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इससे पुलिस को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद असम के पुलिस महानिरीक्षक (कानून और व्यवस्था) प्रशांत कुमार भुइयां और कछार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नुमाल महत्ता ने प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें सहयोग करने के लिए 15 मिनट का समय दिया।

इसके बाद असम पुलिस और मणिपुर पुलिस शव को असम राइफल ले गई, जहां से शवों को हेलीकॉप्टर से चुराचांदपुर ले जाया गया।

कछार पुलिस अधीक्षक बोले- असम में ऐसी हिंसा की अनुमति नहीं देंगे...

कछार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नुमाल महत्ता ने कहा, यह मणिपुर नहीं है, यह असम है और हम इस तरह की हिंसा की अनुमति नहीं देंगे। शव मणिपुर से आए हैं और उन्हें मणिपुर के चुराचांदपुर भेजना हमारा कर्तव्य है। अगर आप अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहते हैं, तो आप वहां जा सकते हैं।

न्याय की मांग को लेकर कुकी समुदाय का प्रदर्शन

कुकी समुदाय से जुड़े लोग मुठभेड़ में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को चुराचांदपुर में सैकड़ों लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। उनकी मांग है कि मुठभेड़ की न्यायिक जांच हो।वहीं, तीन शव बरामद होने के बाद शनिवार को इंफाल घाटी के कई इलाकों में मैतेई समुदाय के सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।मुख्य रूप से महिलाओं ने इंफाल वेस्ट जिले के क्राकिथेल और सगोलबंद टेरा इलाकों में टायर जलाकर सड़कें जाम कीं। ख्वैरामबंद बाजार में महिला व्यापारियों ने विरोध रैली निकाली, जबकि भारी सुरक्षा बल तैनात रहा।

मणिपुर के सात जिलों में इंटरनेट बैन,पांच में कर्फ्यू

इंफाल में लोगों ने स्थानीय विधायकों के घरों पर धावा बोल दिया और उनसे इस्तीफे की मांग की। लोगों का कहना है कि ये नेता लोगों की जिंदगी और संपत्तियों की सुरक्षा करने में विफल रहे हैं। कीसामथामथोंग और खुरई विधानसभा क्षेत्रों सहित अन्य क्षेत्रों के विधायकों के घरों पर प्रदर्शनकारियों ने हमला किया। विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। वहीं, पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है।

झांसी मेडिकल कॉलेज में लगी भीषण आग

10 बच्चों की मौत,कई घायल

झांसी,16 नवम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार देर रात हुए हादसे में जलने से 10 बच्चों की मौत हो गई।

जिला अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि कॉलेज के एनआईसीयू (शिशु वार्ड) में अंदर की यूनिट में रात 10.30 से 10.45 के बीच आग लगी थी। अंदर की यूनिट में ज्यादा गंभीर रूप से बीमार बच्चे थे जबकि बाहर की यूनिट में कम गंभीर रूप से बीमार बच्चे थे।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 10 बच्चों की मौत हो गई है। उस समय वार्ड में मौजूद कर्मचारियों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

जिलाधिकारी ने कहा कि बाहर की यूनिट के सभी बच्चों को बचा लिया गया है। अंदर की यूनिट के भी कुछ बच्चों को बचाया गया है।

अब तक 40 बच्चों को बचाने की सूचना है

झांसी मंडल के कमिश्नर बिमल कुमार दुबे ने बताया कि घटना के समय वार्ड में 54-55 बच्चे भर्ती थे। घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

झांसी मंडल के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

मौके पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंच चुकी हैं और पुलिस की टीम मौजूद है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतक बच्चों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

उन्होंने कमिश्नर और डीआईजी के नेतृत्व में जांच टीम का गठन कर 12 घंटे के भीतर रिपोर्ट तलब की है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, आज झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू वार्ड) में अग्निकाण्ड की हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में कई नवजात शिशुओं की मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। जिला प्रशासन तथा संबंधित अधिकारियों को युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों को संचालित कराने के निर्देश दिए हैं। मैं स्वयं दुर्घटना स्थल पर पहुंच रहा हूं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि पुण्यात्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

एलन मस्क और इसरो के बीच मेगा डील

» इंडिया की सबसे एडवांस सैटेलाइट को लॉन्च करेगी स्पेसएक्स

नई दिल्ली,16 नवम्बर 2024 (ए)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ हाथ मिलाया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास दोस्त मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अगले सप्ताह की शुरुआत में फाल्कन 9 रॉकेट से भारत के सबसे आधुनिक संचार उपग्रह जीसैट-20 (जीसैट एन-2) को अंतरिक्ष में ले जाने का काम करेगी।

ये है डील के पीछे का कारण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और स्पेसएक्स के बीच कई डील हुई है। जीएसएटी-एन2 को अमेरिका के केप कैनावेरल से लॉन्च किया जाएगा। यह 4700 किलोग्राम का उपग्रह भारतीय रॉकेटों के लिए बहुत भारी था, इसलिए इसे विदेशी वाणिज्यिक प्रक्षेपण के लिए भेजा गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में भिड़े छात्रों के दो गुट,एक की मौत

रांची,16 नवम्बर 2024(ए)। बीआईटी मेसरा स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट में जख्मी एक छात्र की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद कॉलेज में जबर्दस्त हंगामा हुआ है। गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में प्रदर्शन करते हुए तोड़फोड़ की है। उन्होंने बीआईटी ओपी के समक्ष भी प्रदर्शन किया है। वे हमलावर छात्रों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। बताया गया है कि किसी बात को लेकर छात्रों के दो गुट गुरुवार देर रात आपस में भिड़ गए थे। इसमें घायल हुए छात्र को हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया था। शनिवार को उसकी मौत की खबर सामने आते ही छात्र उत्तेजित हो उठे। उन्होंने कॉलेज परिसर के कई हिस्सों में तोड़फोड़ की। मृतक छात्र के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन और पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में रैगिंग या किसी निजी विवाद की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। मारपीट की वजह और इसमें शामिल छात्रों की पहचान की जा रही है। इस मामले में कॉलेज की ओर से आधिकारिक तौर पर पक्ष सामने नहीं आ पाया है। बीआईटी का यह कैंपस शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां छात्रों के बीच अक्सर मारपीट की घटनाएं सामने आती रही हैं।

योगी सरकार के मंत्री मनोहर लाल पर जानलेवा हमला

» स्टाफ और पीएसओ से भी की मारपीट,

» पिस्टल भी छीनकर ले गए हमलावर

ग्वालियर,16 नवम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में योगी सरकार के मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के काफिले पर हमला हो गया। इस हमले में मंत्री को भी चोटें आई हैं। आरोपियों ने मंत्री के स्टाफ और पीएसओ के साथ भी मारपीट की और पीएसओ की पिस्टल लूटकर फरार ले गए।जानकारी के अनुसार योगी सरकार के राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के काफिले पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान काफिले की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और उनके स्टाफ के साथ मारपीट की गई। यह हमला उस वक्त हुआ जब उत्तर प्रदेश के श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी आगरा से ललितपुर की ओर जा रहे थे। इसी बीच ग्वालियर के बिलौआ थाना क्षेत्र के जौरासी गांव के पास एक ट्रक का हाईवे पर एक्सीडेंट हुआ था, जिसकी वजह से हाईवे पर जाम लगा हुआ था। जब मंत्री इस जाम में फंसे तो उनके काफिले ने रॉन्ग साइड से आगे बढ़ने का फैसला किया।जैसेही वे दूसरी ओर से आगे बढ़े, इसी दौरान रास्ते में एक बाइक सवार उनके वाहन के आगे आ गया। जब राज्यमंत्री के पीएसओ सर्वेश ने उसे रास्ते से हटने और उन्हें निकलने देने की बात कही तो तो दोनों के बीच विवाद हो गया।इस दौरान आरोपी युवक ने मंत्री के पीएसओ से बदसलूकी करते हुए हाथ उठा दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में बड़ा विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी बंटी यादव ने मंत्री के पीएसओ की सरकारी पिस्टल छीन ली और अपने गांव से दो दर्जन लोगों को बुला लिया।

चुनाव आयोग ने स्टार कैंपेनर्स को दी सख्त हिदायत

नई दिल्ली,16 नवम्बर 2024(ए)। भाजपा और कांग्रेस ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ निर्वाचन आयोग में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराई थी. अब भारत के निर्वाचन आयोग ने दोनों दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखकर जवाब तलब किया है. ईसीआई ने दोनों पार्टियों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ दायर की गई शिकायतों पर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से औपचारिक प्रतिक्रिया मांगी है. आयोग ने बीजेपी और कांग्रेस से 18 नवंबर, दोपहर 1 बजे तक जवाब भेजने को कहा है. ईसीआई ने लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई,2024 को भाजपा और कांग्रेस को भेजी गई अपनी पिछली सलाह भी याद दिलाई, जिसमें स्टार प्रचारकों और नेताओं को नियंत्रण में रखने के लिए कहा गया था ताकि सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन न हो। चुनाव आयोग को सौंपे गए एक पत्र में, भाजपा ने राहुल गांधी के इस दावे के खिलाफ शिकायत दर्ज की कि भगवा पार्टी संविधान को नष्ट करना चाहती है।

संपादकीय

भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती

वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। अब वित्तीय बाजारों पर भी ग्रहण के संकेत हैं।अक्टूबर में विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों (एफपीआईज) ने भारतीय बाजारों से लगभग 94,000 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह अभूतपूर्व है। इसके पहले किसी एक महीने में एफपीआईज ने इतनी बड़ी निकासी नहीं की थी। कोरोना महामारी ने जब दस्तक दी थी, तब मार्च 2020 में इन निवेशकों ने 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। ताजा निकासी का नतीजा हुआ कि अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम ने भारत के वित्तीय प्रबंधकों की चिंता बढ़ाई है। आखिर, वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती।उलटे अब तो केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी उपभोग एवं मांग गिरने की हकीकत को मान लिया है। अक्टूबर में वास्तविक अर्थव्यवस्था से जुड़े कारोबारी और यहां तक कि वित्तीय अखबार भी यह कहने को मजबूर हुए कि भारत में मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है। जबकि दुनिया में जो भी देश विकसित हुए है, उनकी आर्थिक समृद्धि मध्य वर्ग के विस्तार पर टिकी रही है। भारत में अब सामने यह है कि एकमात्र चमकते पक्ष पर भी ग्रहण लग रहा है। जानकारों ने इसके दो कारण बताए हैं। पहला यह कि भारतीय शेयर ओवरवैल्यूड हैं- यानी उनकी स्वाभाविक कीमत जितनी होनी चाहिए, उससे ज्यादा कर दी गई है।दूसरा, यह कि चीन प्रोत्साहन पैकेज देकर अपने शेयर बाजारों को संभाल रहा है, जिससे विदेशी निवेशकों को वहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद दिखने लगा है। नतीजतन, वे शेयर बाजार के अलावा ऋण बाजार से भी लगभग साढ़े चार हजार करोड़ रुपए निकाल कर ले गए। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या इस महीने या आने वाले महीनों में ट्रेंड पलटता है। ऐसा नहीं हुआ, तो खासकर 2020 के बाद से शेयर बाजारों में बढ़ती गई चमक को बनाए रखना लगभग असंभव हो जाएगा। छोटे निवेशकों को इस क्रम में जो नुकसान हो रहा है, वह अलग है। कुल मिलाकर भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती आ खड़ी हुई है।

तुम्हीं बांटते हो तुम्हीं काटते हो की सच्चाई लोगों के कितना समझ

बेटी छीन लेने से ज्यादा डराने, अपमानजनक बात और क्या होगी? मगर जब मुकाबला गिरने का हो तो फिर आप कुछ नहीं कह सकते। कटना काटना उससे और आगे की बात है या बराबर या बेटी छीनने से कमजोर रह गई आप खुद फैसला करें।अगर फैसला कर पाने की अक्ल, विवेक रह गया हो तो! नहीं तो जैसे पहले दस साल नफरत पैदा करके वोट लिए गए वैसे ही अब डर पैदा करके लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी एक डर दिखाएंगे तो मुख्यमंत्री योगी दूसरा।हो सकता है दोनों में होड़ हो कि कौन ज्यादा डरा सकता है। देश में भय का माहौल कौन ज्यादा फैला सकता है? यही आधार हो देश पर शासन करने का।एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश! क्या भारत बन जाएगा? एक नया प्रयोग है।देश को डरा कर शासन करने की कोशिश कभी किसी ने नहीं की। अंग्रेजों ने भी नहीं कहा कि अगर हम चले जाएंगे तो तुम्हारी बेटियां छिन जाएंगी। तुम कटोगे। अंग्रेजो ने कहा कि तुम कानून व्यवस्था के तहत शासन नहीं करोगे। तो सत्तर साल बाद यह जरूर सच साबित हो रहा है। चर्चिल ने कहा था भारत की आजादी का विरोध करते हुए कि वहां के शासक लोगों को बांटेंगे। इंग्लेंड के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल को शक था कि भारत में सत्ता बहुत खराब शब्द इस्तेमाल किया था उन्होंने दुष्ट हाथों में चली जाएगी। सत्ता के लिए वे कुछ भी कर गुजरेंगे। सत्तर साल तक हमारे नेताओं ने चर्चिल को गलत साबित करके रखा। मगर आज?जिन के पास शासन है उन्हीं में से एक कह रहे हैं कि बेटी छिन जाएगी और

उससे और आगे की बात है या बराबर या बेटी छीनने से कमजोर रह गई आप खुद फैसला करें।अगर फैसला कर पाने की अक्ल, विवेक रह गया हो तो! नहीं तो जैसे पहले दस साल नफरत पैदा करके वोट लिए गए वैसे ही अब डर पैदा करके लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी एक डर दिखाएंगे तो मुख्यमंत्री योगी दूसरा।हो सकता है दोनों में होड़ हो कि कौन ज्यादा डरा सकता है। देश में भय का माहौल कौन ज्यादा फैला सकता है? यही आधार हो देश पर शासन करने का।एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश! क्या भारत बन जाएगा? एक नया प्रयोग है।देश को डरा कर शासन करने की कोशिश कभी किसी ने नहीं की। अंग्रेजों ने भी नहीं कहा कि अगर हम चले जाएंगे तो तुम्हारी बेटियां छिन जाएंगी। तुम कटोगे। अंग्रेजो ने कहा कि तुम कानून व्यवस्था के तहत शासन नहीं करोगे। तो सत्तर साल बाद यह जरूर सच साबित हो रहा है। चर्चिल ने कहा था भारत की आजादी का विरोध करते हुए कि वहां के शासक लोगों को बांटेंगे। इंग्लेंड के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल को शक था कि भारत में सत्ता बहुत खराब शब्द इस्तेमाल किया था उन्होंने दुष्ट हाथों में चली जाएगी। सत्ता के लिए वे कुछ भी कर गुजरेंगे। सत्तर साल तक हमारे नेताओं ने चर्चिल को गलत साबित करके रखा। मगर आज?जिन के पास शासन है उन्हीं में से एक कह रहे हैं कि बेटी छिन जाएगी और दूसरे कटने कटाने का डर दिखा रहे हैं। आजाद भारत में तो किसी ने यह कभी नहीं कहा कि हमारी सरकार नहीं रहेगी तो ऐसा हो जाएगा। 1947 जी हां यही साल था जब भारत आजाद हुआ। नहीं तो कहा तो यह जाने लगा है कि भारत 2014 में आजाद हुआ। और प्रधानमंत्री मोदी ने तो खुद यहां तक कह दिया कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। आज जो दस सवा दस साल तक के बच्चे हैं वे ही सिर्फ गर्व कर सकते हैं। बाकी उनके मां बाप सब शर्म को जीवन भर झेलने वाले हैं।तो अब मुकाबला डर से है। एक झूठ कि भेडिया आया! भेडिया आ जाएगा! पुरानी कहानी है। और अंत एक सही संदेश के साथ कि जब वास्तविक समस्या आई तो उसका शिकार गांव नहीं वह झूठ डराने वाला ही बना।क्या रोज किसी देश को डरा कर, समाज का आत्मसम्मान छीन कर आप उम्मीद कर सकते हैं कि खुदा न खास्ता कोई वास्तविक संकट आ गया तो लोगों में इतनी हिम्मत बचेगी कि वह उस असल मुसीबत के सामने खड़े हो सकें?1971 में बांग्ला देश के युद्ध के समय पूरा देश एक साथ खड़ा हुआ था। और वह भारत के इतिहास का सबसे गौरवशाली समय था। आज वे गौरवशाली तो कुछ बताते नहीं हैं शर्म की बात जरूर बताते हैं कि आप 2014 से पहले पैदा हो गए! पैदा होने पर किसका अख्तियार है? शायद उनका है क्योंकि वे कहते हैं कि मैं तुम लोगों की तरह पैदा नहीं हुआ। मतलब अवतरित हुआ हूं। नान बॉयलोजिकल हूं।तो देश की हिम्मत तोड़ी जा रही है। किसके लिए? वोट के लिए। यह जो आरोप दूसरों पर लगाते हैं मतलब वही काम ये करते हैं। और आरोप दूसरे पर। वोट बैंक दलित, पिछड़े, मुसलमान सब के लिए कहा। खुद की राजनीति को वोट की राजनीति से अलग बताया मगर आज सब कुछ वोट के लिए हैं। पहले नफरत और अब डर।देखते हैं महाराष्ट्र और झारखंड कैसे जवाब देता है। एक बड़ा फैक्टर चुनाव आयोग है। अभी तक तो उसके केवल ईवीएम पर सवाल उठ रहे थे। मगर अब पूरा चुनाव आयोग ही संदेह के घेरे में आ गया है। उसे बेटी छीन लेंगे हेट स्पीच नहीं दिखी। आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लघंन नहीं लगा। कटेंगे हिसंक और भड़काने वाली भाषा नहीं लगी। चुनाव आयोग एक पार्टी बन गया है।हरियाणा के चुनाव जहां खुद बीजेपी हार मान चुकी थी उसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त न्याय मांगने वालों पर ही उल्टा आरोप लगाने लगे। कांग्रेस के आरोपों की कोई जांच नहीं। जबकि कांग्रेस ने स्पेसिकफिकली 20 विधानसभा क्षेत्रों के नाम देते हुए वहां ईवीएम के बदले जाने के दस्तावेज पेश करते हुए शिकायत दी थी। मतदान के बाद 99 प्रतिशत तक ईवीएम चार्ज रहने के सबूत दिए थे। मगर राजीव कुमार प्रेस कान्फ्रेंस करके कहते हैं कि कांग्रेस गलत आरोप लगाने से बाज आए। ऐसा पुलिस कहती है।जब उसे आरोपी को बचाना होता है। पीड़ित पर ही उल्टे सवाल दागना शुरू कर देती। चोरी हो गई। चोर ढुंढने के बदले, अपनी गश्त व्यवस्था की समीक्षा करने के बदले वह इसी पर लगी रहती है कि जरूर तुम्हारे घर की कोई खिड़की खुली रह गई होगी। खिड़की नहीं तो रोशनदान। इतना जलील कर दो कि अगली बार कोई चोरी की रिपोर्ट करवाने ही नहीं आए। 24 घंटे में दो बार महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे उद्धव ठाकरे की तलाशी? इससे पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के हैलिकाप्टर और राहुल गांधी के हैलिकाप्टर की तलाशी सत्ता पक्ष कितना पैसा खर्च कर रहा है यह उसे नहीं दिख रहा। कांग्रेस के बैंक अकाउंट सीज कर दिए यह उसे नहीं दिखा। बच्चे बच्चे को मालूम है कि झारखंड और महाराष्ट्र में कौन पैसा पानी की तरह बहा रहा है। पिछले दस साल में हर चुनाव में यह सबने देखा। मगर एक गोदी मीडिया और दूसरे चुनाव आयोग को यह कभी भी नहीं दिखा।सुप्रीम कोर्ट तक को एक बार दिख गया। और चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ उसी एक बात का राग अलापे जा रहे हैं कि हम पर न्याय न करने निष्पक्ष न होने का शक किया जा रहा है मगर देखो हमने चुनावी बांड पर कैसी टिप्पणी कीं। पता नहीं किसी ने पूछा या नहीं पूछा कि चुनावी बांड के जरिए आया हुआ वह पैसा आपने बीजेपी से जप्त करवाया क्या? क्या हुआ उस फैसले में? जिन्हें पैसा देने के बदले सरकारी फायदे मिले वह वापस हुए क्या? चंदा देकर ठेके लेने वालों और देने वालों के खिलाफ मुकदमे चले क्या? हुआ क्या? मगर खैर एक बात तो मिली चीफ जस्टिस को कहने की। मुख्य चुनाव आयुक्त के पास क्या एक बात भी ऐसी है कि वे कह सकें कि देखो यह तो हमने किया। या नहीं किया। या नहीं होने दिया। वह तो ईवीएम के जरिए खुद करवा रहे हैं।तो इन परिस्थितियों में क्या होता है, देखना पड़ेगा? जनता को बेरोजगार, महंगाई की मार से परेशान करके अब वह और डरा रहे हैं। कि जिन्दा हो। बेटी घर में हैं। वोट दे दो। नहीं तो कटना बेटी छिनना सब होगा।देखते हैं हिम्मत कहां से आती है। राहुल का डरो मत का आव्हान कितने साहस की वापसी करता है। अखिलेश के जुड़ोगे तो जीतोगे को जनता कितना समझती है। और खरगे की तुम्हीं बांटते हो तुम्हीं काटते हो की सच्चाई लोगों के कितना समझ में आती है।

-शकील अख्तर-

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध

अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है। निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा।

अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा।

बुलडोजर कार्रवाई के माननीकरण वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट तो खुद मीडिया के बीच इस छवि के खंडन के लिए जा नहीं सकता। इसलिए दूसरे जिम्मेदार तंत्र को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। लगे हाथों सुप्रीम कोर्ट को न्याय में देरी और उसकी धीमी प्रक्रिया को भी नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। ताकि बुलडोजर न्याय की जरूरत ही ना पड़े। अगर न्यायिक प्रक्रिया सामान्य तरीके से चलती रहे तो शायद ही कोई होगा, जो बुलडोजर कार्रवाई को ही न्याय का अंतिम विकल्प माने।

-उमेश चतुर्वेदी-

ट्रंप की नीतियां हिंदुओं पर सर्वाधिक भारी

दुनिया के अधिकतर सभ्य,विकसित और लोकतांत्रिक देशों में जिस एक कौम को सबसे ज्यादा सम्मान और प्रेम के साथ स्वीकार किया जा रहा था,जिसे कोई दूसरी कौम अपने लिए खतरे की तरह नहीं देखती थी वह हिंदू कौम थी।लेकिन पिछले 10 साल में क्या हुआ है? पूरी दुनिया में हिंदुओं के प्रति घृणा बढ़ी है। उनके खिलाफ हेट स्पीच बढ़े हैं और उनको निशान बनाने की घटनाएं बढ़ी हैं।अमेरिका में, जहां लगभग 45 लाख भारतीय आबादी बताई जाती है, और जिसमें अधिकांश हिंदू हैं वहां भी हिंदुओं का जीवन मुश्किल हुआ है। भारत में चल रही जातीय व धार्मिक बहस वहां तक जा पहुंची है।पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट में जातिगत भेदभाव को रोकने का विधेयक लाया गया था। यह विशुद्ध रूप से भारत को निशाना बनाने वाला विधेयक था। इसकी शुरुआत अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी सिस्को और उसके दो इंजीनियरों के खिलाफ एक भारतीय नागरिक के साथ जाति के आधार पर भेदभाव करने के मामले से हुई थी।इस मुकदमे के आधार पर जातिगत भेदभाव रोकने का बिल आया। इसके खिलाफ कैलिफोर्निया के हिंदू समूहों ने प्रदर्शन भी किया। इसके बावजूद राज्य विधानसभा से यह बिल पास हो गया। बाद में कोलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इसे वीटो करके रोक दिया। हालांकि इसके बावजूद पूरे अमेरिका में इसकी व्यापक कवरेज हुई, जिसमें हिंदू समाज निशाने पर था। चौतरफा बदनामी हुई। भले हिंदुओं की पूछ बढ़ी है लेकिन एक समाज और संस्कृति के तौर पर उनकी बदनामी हुई है।चाहे जाति का मामला हो, भारत में धर्म के आधार पर होने वाले विभाजन का मामला हो या खालिस्तान का मामला हो हर बार अमेरिका में हिंदू निशाने पर आए। कट्टरपंथी गोरों के साथ साथ अपने ही देश के सिख और दूसरे कई देशों के मुस्लिम उनको दुश्मन की तरह देखने लगे।आने वाले दिनों में हिंदुओं की मुश्किल और बढ़ने वाली है क्योंकि राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप जो नीतिगत फैसले करने वाले हैं उनमें से कई फैसलों का शिकार हिंदू होंगे। ट्रंप नागरिकता देने वाले कानून में बदलाव करेंगे, और केवल ग्रीन कार्डधारक के बच्चों को ही जन्म से तब नागरिकता मिलेगी। इसका नुकसान 10 लाख भारतीयों को होने वाला है। अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए ट्रंप सख्त कानून ला रहे हैं तो पहले से रह रहे अवैध

प्रवासियों को निकालने के लिए दो सौ साल से ज्यादा पुराने कानून का सहारा लेंगे।इस कानून के तहत सरकार 14 साल से ज्यादा उम्र के किसी भी व्यक्ति को अवैध प्रवासन के आधार पर देश से निकाल सकती है। इसका भी नुकसान भारतीय हिंदुओं को अधिक होगा।सोचें, अच्छे दिन की उम्मीद में 2014 में भारत के हिंदुओं ने जो सरकार बनाई थी उसका क्या हासिल है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात से सबसे बड़ी संख्या में हिंदू भाग रहे हैं। वे अमेरिका, कनाडा जा रहे हैं।गुजरात और पंजाब से लोग जहाज भर कर लैटिन अमेरिकी देशों में जाते हैं और वहां से डंकी रूट से कनाडा और अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास में इस साल अभी तक एक सौ भारतीय नागरिक मरे हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।हर घंटे अमेरिका की सीमा पर 10 भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में घुसने की कोशिश में पकड़े जा रहे है, इनमें पांच गुजराती होते हैं। इस साल अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग पकड़े जा चुके हैं।अमेरिका में अवैध प्रवासियों को पकड़ने और निकालने का अभियान जोर पकड़ेगा, तो मेक्सिको के नागरिकों के बाद सबसे बड़ा शिकार हिंदू होंगे। अमेरिका हो या कनाडा दोनों जगह हिंदू पीटे जा रहे हैं, अपमानित हो रहे हैं और निकाले जा रहे हैं।सोचें, 10 साल में कहां से कहां पहुंच गए! 10 साल पहले इस तरह से देश के अमीर, गरीब और मध्य वर्ग के लोग भागते हुए नहीं थे। उनमें देश छोड़ कर दूसरे देश की नागरिकता लेने की होड़ नहीं मची थी। लेकिन पिछले 10 साल में 12 लाख से ज्यादा लोग भारत की नागरिकता छोड़ कर दूसरे देश की नागरिकता ले चुके हैं।सवाल है कि 10 साल में देश में ऐसा क्या हो गया, जिसकी वजह से लोग देश छोड़ कर भागना चाह रहे हैं? या तो वे बेहतर जीवन की तलाश में जा रहे हैं या अपनी और अपने बच्चों के भविष्य और उनकी सुरक्षा की चिंता से जा रहे है?भारत में ट्रंप की जीत की खुशी मनाई जा रही है लेकिन हकीकत यह है कि ट्रंप की नीतियां हिंदुओं पर सर्वाधिक भारी पडने वाली है। नागरिकता कानून के साथ साथ ट्रंप वीजा के नियम भी बदलने वाले हैं, जिससे भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए वहां वीजा लेना मुश्किल होगा।एच वन वीजा की संख्या सीमित होगी तो एच फोर वीजा के कानून में बदलाव होगा। इस कानून के तहत अमेरिका में एच वन वीजाधारक के आश्रित को रहने और काम करने की आजादी मिलती है। इसे ट्रंप बदल देंगे। उनकी संरक्षणवादी नीतियों से हिंदुओं की मुश्किल बढ़ेगी तो भारतीय कंपनियों के लिए भी कामकाज मुश्किल होगा। यह भी उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि अमेरिकी कांग्रेस की कमेटियां भारत में धार्मिक और जातीय भेदभाव पर हर साल देने वाली अपनी रिपोर्ट में भारत को लेकर चिंता जताना बंद कर देंगी।

-हरिशंकर व्यास-

कविता
अंगों से सीख

घटती-घटना

प्रिया देवांगन प्रियु

राजिम,गरियाबंद छत्तीसगढ़

काले भूरे गोरे रंग। देखो कितने सुंदर अंग।।
नयन सदा ही खुलते संग। देखें दुनिया बढ़े उमंग।।
नेक काज करते हैं हाथ। इक दूजे का देते साथ।।
सीख हमें देते हैं बाल। रखो एकता बनो मिसाल।।
आगे बढ़ते जाते पैर। मिलकर करते जग की सैर।।
मुख से निकले मीठे बोल। जीवन में देता मधु घोल।।
करे इकट्ठा भोजन पेट। भरता तन में शक्ति समेट।।
नाक एक है लेती श्वास। सिखलाती जीवन है खास।।
सदा सोचता रहे दिमाग। बड़ा अहम यह तन का भाग।।
इसके बिन होता ना काम। तनिक नहीं करता आराम।।
चलो करें अंगों से प्यार। कभी नहीं होंगे बीमार।।
स्वस्थ रहें गर ये सब अंग। करें नहीं जीवन भर तंग।।

कविता
असीम भीड़

घटती-घटना

चंद्रकांत खूटे क्रांति

जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़

दुनिया में असीम भीड़ है
इस भीड़ में गुम हो जाता हूँ
निकलने का साहस करूँ
फिर भी खो जाता हूँ
अपनी पहचान बनाने के लिए
जद्दोजहद में लड़ता हूँ
कभी दौड़ता हूँ, कभी भागता हूँ
कभी परीक्षा देकर स्वयं को नापता हूँ
फिर भी निकल नही पाता हूँ
व्याकुल भाव से तलाशता हूँ
अपनी रुतबा अपनी पहचान
अपना व्यक्तित्व
अपने और गैरों के बीच में
धूप शिशिर वर्षा में भीग के
तर-बतर स्वेद में सींच के
ऊँचे टीले की ओर ताकता हूँ
कही से तो राह मिले
कही तो मंजिल हो
पर सदैव खुद को थोड़ी दूर पाता हूँ
फिर भी चलता हूँ
रुकता हूँ रुक-रुककर चलता हूँ
चलते-चलते थक जाता हूँ
अंतत- उस असीम भीड़ में खो जाता हूँ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

नर कंकाल मामले में पुलिस का खुलासा

- प्रेम संबंध से नाराज युवक के भाई ने की नृशंस हत्या
- कुसमी से 27 सितंबर से लापता सूरजदेव ठाकुर की पत्नी कौशल्या ठाकुर,बेटी मुक्तावती उर्फ मुस्कान ठाकुर और बेटा मिंटू ठाकुर के रूप में हुई पहचान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के दहेजवार में तीन नरकंकाल मिलने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला लव अफेयर से जुड़ा बताया जा रहा है। जिसमें लापता मां-बेटी और बेटे की हत्या हो गई। आरोपी के भाई का नाबालिग लड़की से प्रेम संबंध था,जिसके कारण वो घर पर पैसे नहीं भेजता था। जिससे नाराज होकर बड़े भाई ने तीनों की हत्या कर दी।

जानकारी अनुसार शुक्रवार को बलरामपुर जिला अंतर्गत ग्राम दहेजवार में बंद फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट से लगे धान के खेत में 3 नर कंकाल मिले थे, जिसमें तीन खोपड़ी और बॉडी के अन्य पार्ट्स बरामद हुए। साथ ही साड़ी, सलवार, पैंट और अन्य कपड़ों भी मिले। तीनों की पहचान कुसमी से 27 सितंबर से लापता सूरजदेव ठाकुर की पत्नी कौशल्या ठाकुर 36 वर्ष, बेटी मुक्तावती उर्फ मुस्कान ठाकुर 17 वर्ष और बेटा मिंटू ठाकुर 6 वर्ष के रूप में हुई।

मुख्य आरोपी परसवार, थाना गढ़वा झारखंड निवासी मोख्तार अंसारी आ. सत्तार अंसारी 38 वर्ष का छोटा भाई आरिफ अंसारी कुसमी में रहकर ठेकेदारी का काम करता है। मुख्तार अंसारी झाड़फूंक और खेती-बाड़ी का भी काम करता था। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी मोख्तार अंसारी के पिता को सांप ने काट लिया था, इसके बावजूद छोटा भाई आरिफ पिता के इलाज के लिए पैसे नहीं भेजता था। इससे मोख्तार अंसारी नाराज था। इसी बात को लेकर मुस्कान और उसके परिवार को मारने की साजिश रची। आरिफ और मुस्कान के बीच प्रेम संबंध की पुष्टि कॉल डिटेल और मोबाइल चैट से हुई है।

पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि तीनों की हत्या मोख्तार अंसारी ने की है। कौशल्या ठाकुर, मुस्कान और मिंटू ठाकुर को लेकर मोख्तार अंसारी कुसमी से बलरामपुर आया। दहेजवार में जहां कंकाल मिले हैं, उसके पास ही झोपड़ीनुमा घर में तीनों को रखा था। रात में तीनों जब सो गए तो उनकी हत्या कर दिया।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, टीआई लाइन हाजिर

मामले में बलरामपुर पुलिस पर लापरवाही के भी आरोप लग रहे हैं। तीनों की गुमशुदगी कुसमी थाने में दर्ज की गई, लेकिन पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज नहीं किया। सूरजदेव ठाकुर को आरिफ पर तीनों को भगाकर ले जाने का शक था। स्त्रद्धक्र के लिए उसने आवेदन कुसमी थाने सहित मुख्यमंत्री के नाम पर भी दिया था। मामले में नर कंकाल मिलने के बाद शनिवार सुबह कुसमी थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल पर कार्रवाई की गई। जितेंद्र जायसवाल को पुलिस लाइन बलरामपुर अटैच किया गया है। रघुनाथनगर थाना प्रभारी संत लाल आयाम को थाना प्रभारी कुसमी बनाया गया है।

तीनों शवों की पहचान किए जाने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम एक्सपर्ट कुलदीप कुजूर की टीम ने डीएनए सैंपल एकत्र किया है। टेस्ट के लिए सैंपल रायपुर भेजा जाएगा।

सरगुजा में बनी फिल्म 'सुन सजना' रायपुर तक मचा रही धमाल

- संवाददाता -
अंबिकापुर/रायपुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

इन दिनों सरगुजा की खूबसूरत वादियों में बनी छत्तीसगढ़ी फिल्म **सुन सजना** रायपुर तक धमाल मचा रही है। 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ के 20 टाकीजों में रिलीज़ हुई फिल्म सुन सजना को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। फिल्म की स्टोरी, गाने तथा स्थानीय कलाकारों के शानदार अभिनय को दर्शकों तथा फिल्म समीक्षकों ने सराहा है। फिल्म को लेकर फिल्म के डायरेक्टर गोपाल पांडे ने बताया कि फिल्म पूरी तरह सरगुजा में बनी है, शूटिंग, एडिटिंग, डीआई,बीजीएम सहित फिल्म से संबंधित सभी काम सरगुजा के सीआरआर क्रिएशन के स्टूडियो में हुआ है। ये सरगुजा की पहली फिल्म है जिसमें पूरा काम सरगुजा के टेक्नीशियनों ने किया है। फिल्म में छत्तीसगढ़ व सरगुजा के कलाकार पुष्पेन्द्र सिंह, सलीम अंसारी, सरला सेन, दिनेश सिन्हा, कृष्णानंद तिवारी, संतोष दास, देवेश बेहरा, आनंद यादव, विशाल सिंह तथा गुग्गुल पांडे सहित कई अन्य कलाकारों ने कमाल का अभिनय किया है, इसीलिए दर्शकों का इतना प्यार फिल्म को मिल रहा है। दर्शकों और फिल्म प्रेमियों का रुझान देखकर लगता है कि आने वाले दिनों में फिल्म सुन सजना एक बड़ी हिट साबित होगी।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर वाहन अनियंत्रित होकर दुकान में घुसा चालक की हुई मौत

- संवाददाता -
लखनपुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोधपुर में 15 नवंबर दिन शुक्रवार की रात 11 से 12 बजे बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर वाहन अनियन्त्रित होकर दुकान में घुसा वही चालक की मौत हो गई। सूचना उपरांत लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक बिट्टू राजवाड़े पिता सोमवार साय उम्र 35 लगभग वर्ष ग्राम जोधपुर निवासी जो कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर वाहन से गया था रात में घर वापस आने के दौरान ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर पर से नियंत्रण खो दिया और गांव झाबर के कार्मेंद्र के दुकान में ट्रैक्टर वाहन सहित जा घुसा वहीं चालक की मौके पर ही मौत हो गई सूचना पाकर लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी है।

आरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू, पहले दिन 335 अभ्यर्थी हुए शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के लिए भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू हो गई है। प्रक्रिया के पहले दिन 500 में से 335 अभ्यर्थी शामिल हुए। भर्ती प्रक्रिया 10वीं वाहिनी छसबल सिलफिली ग्राउंड मं चल रही है। भर्ती में कुल 82694 अभ्यर्थियों को शामिल होना है।

संभाग के सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उक्त भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 दिसंबर तक चलेगी। प्रक्रिया के पहले दिन शनिवार को 500 में से 335 अभ्यर्थी शामिल हुए। अभ्यर्थियों को अपने पास एडमिट कार्ड, समस्त प्रमाण पत्रों की मूल पति व छायाप्रति लाना अनिवार्य है। आधार कार्ड ही अभ्यर्थियों को ग्राउंड में प्रवेश दिया जा रहा है। प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को ग्राउंड में मोबाइल लाना या उपयोग करना वर्जित है। एसपी योगेश पटेल ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष है। भर्ती प्रक्रिया आधुनिक तकनीक के माध्यम से की जा रही है।

जान से मारने की धमकी देकर किशोरी से करता था बलात्कार,गर्भवती

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक युवक नाबालिग किशोरी को जान से मारने की धमकी देकर 5-6 माह पूर्व बलात्कार करता था। इस बीच पीड़िता गर्भवती हो गई थी। युवक पीड़िता को गर्भपात की दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया था। जानकारी होने पर पीड़िता के चाचा ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में 15 नवंबर को दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम सकालो किशुननगर थाना गांधीनगर निवासी 26 वर्षीय विजय मिस्त्री एक नाबालिग किशोरी को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार करता था। इस बीच पीड़िता गर्भवती हो गई थी। आरोपी अपना छुटकारा पाने के लिए पीड़िता को गर्भपात की दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया था। घटना की जानकारी पीड़िता के चाचा को हुई थी वह मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी विजय मिस्त्री को गिरफ्तार किय है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा धारा 64(2)(ड), 65(1), 88, 351(3) बीएनएस एवं पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

37 किलो गांजे के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

दो लग्जरी कार से कर रहे थे गांजे की तस्करी, जब्त गांजे की कीमत 7.40 लाख रुपए

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

चौकी रघुनाथपुर पुलिस ने 16 नवंबर को चार गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो बिक्रेता व दो खरीददार शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 37 किलो गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत 7.40 लाख रुपए बताई जा रही है। गांजा खरीद- बिक्री के दौरान दो लग्जरी कार का उपयोग किया गया था। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 1 आई फोन, 9 मोबाइल 87 हजार रुपए नकदी सहित कुल लगभग 30 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। मामले में पुलिस ने चारों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखल कर दिया है।

चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक आरएन पटेल को 16 नवंबर को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि कार क्रमांक सीजी 13 एजी 0995 से नरेश यादव व मो. सद्दाम नामक दो संदिग्ध व्यक्ति भारी मात्रा में गांजा लेकर पत्थलगांव के रास्ते आ रहे हैं और ग्राम सिलसिला के पास दूसरे कार क्रमांक सीजी 14 एमएस 0241 के संजय पटेल व प्रेम प्रकाश को देने वाले हैं। मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक आरएन पटेल टीम के साथ ग्राम सिलसिला में घेराबंदी किया। यहां दोनों कार में सवार कुल चार लोग गांजे की खरीद-बिक्री करते पाए गए। जिसे पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर कार की तलाशी ली तो कुल 37 किलो गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 7.40 लाख रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी मो. सद्दाम पिता मो. हनीफ उम्र 32 वर्ष निवासी शांतिनगर थाना पत्थलगांव जिला जशपुर, नरेशा यादव पिता मोहन यादव उम्र 36 वर्ष ग्राम तुरखामा थाना पत्थलगांव जिला जशपुर, संजय पटेल पिता मिश्री लाल पटेल उम्र 33 वर्ष निवासी धुमाडांड चौकी रेवटी थाना चंदौरा जिला सूरजपुर एवं प्रेम प्रकाश पटेल पिता स्व. नारद प्रसाद पटेल उम्र 42 वर्ष निवासी परसडीहा थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों तस्करों के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, संजय नागेश, आरक्षक अनुज जायसवाल, मनीष सिंह, जितेश साहू, अशोक यादव, रमेश राजवाड़े, लालदेव सिंह, राकेश एक्का, अरविन्द तिवारी, बहादुर एक्का, हरिलाल, प्रदीप तिर्की सक्रिय रहे।

दो कार व आई फोन सहित रुपए भी जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कार, गांजा खरीद बिक्री की नगद 87 हजार रुपए, 1 नग आई फोन, 9 नग मोबाइल जब्त किया है। जब्त कुल मशरूखा 30 लाख रुपए बताई जा रही है।

बिक्री करने आया था सद्दाम व नरेश

गांजा तस्कर आरोपी सद्दाम व नरेश उक्त गांजा पत्थलगांव से लेकर कार से ग्राम सिलसिला आया था। यहां संजय पटेल व प्रेम प्रकाश पटेल को देने वाले थे। ये दोनों कार से ग्राम सिलसिला में लेने पहुंचे थे। जहां पुलिस ने चारों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठी के पास पिकअप ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार सोनू कुमार यादव पिता बुधराम यादव उम्र 38 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम झुमापारा का रहने वाला था। वह 15 नवंबर की रात करीब 8.30 बजे बाइक से शहर की ओर आ रहा था। तभी अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर स्थित भिट्ठी के पास पिकअप ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में सोनू गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

विद्या मंदिर स्कूल में आनंद मेला,बच्चों द्वारा तैयार किए गए मॉडल को अतिथियों ने सराहा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

विद्या मंदिर स्कूल में 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों द्वारा आनंद मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्या मंदिर स्कूल समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, व्यवस्थापिका वंदना दत्ता, प्रधान पाठक साधना कश्यप, जिला परियोजना अधिकारी साक्षर भारत गिरीश गुप्ता, अशोक सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद विकास वर्मा उपस्थित थे। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा निर्मित मॉडल, पर्यावरण क्षेत्र, ग्रीन हाउस मॉडल, सौर मंडल की स्थिति, गणितीय प्रक्रिया पूर्ववर्ती अपवर्ती आदि का अतिथियों ने अवलोकन किया। इसके बाद संस्था के विद्यार्थियों द्वारा अपने स्तर पर विभिन्न पारम्परिक पकवानों का स्टॉल लगाया गया। इस अवसर पर जानकी सिंह, अनुभा डबराल, चैती अग्रवाल ,सरिता भाटिया, रश्मि गुप्ता, लिली बसु राय, हिना परवीन, श्रद्धा खेरपांडे, रेखा गनेसपूरकर, ज्योति द्विवेदी, स्मिता तिवारी, अंबिका दत्ता, अंजना परिहार, बलविंदर टुटेजा,जसनित टुटेजा, मुक्ता गुप्ता, सोनी सिन्हा, लिली कहकशा,रंजन खेरपांडे, राजेश गुप्ता, संजीव गनेसपुरकर, विशाल वर्मा, गिरीश गुप्ता, प्रफुल्ल महापात्र, अशोक सिंह आदि प्रमुख थे।

भारत को 1400 से अधिक प्राचीन नायाब वस्तुएं लौटाएगा अमेरिका,इनकी कीमत 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा

वॉशिंगटन, 16 नवम्बर 2024। अमेरिका ने भारत को 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) कीमत की 1,400 से ज्याादा प्राचीन वस्तुएं लौटा दी हैं। इनमें मध्य प्रदेश से 1980 के दशक में लूटी गई एक बलुआ पत्थर की मूर्ति और राजस्थान से 1960 के दशक में लूटी गई एक हरे-भूरे रंग की मूर्ति भी शामिल हैं। इसके अलावा, आने वाले महीनों में 600 से अधिक लूटी गई प्राचीन वस्तुएं भी भारत को वापस की जाएंगी।

मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन एल के एक बयान के मुताबिक, %ये प्राचीन वस्तुएं न्यूयॉर्क में एक समारोह के दौरान लौटाई गई, जिसमें भारतीय वाणिज्य दूतावास के मनीष कुलहरी और न्यूयॉर्क होमलैंड सिक्योरिटी की सांस्कृतिक संपत्ति, कला और प्राचीन वस्तुओं की टीम की समूह पर्यवेक्षक एलेक्जेंड्रा डि आर्मस भी मौजूद थीं।

क्या है इन प्राचीन वस्तुओं की कहानी

बलुआ पत्थर की मूर्ति यह मूर्ति मध्य प्रदेश के एक मंदिर से 1980 के दशक में चोरी की गई थी। चोरों ने इसे दो हिस्सों में काटकर इसे तस्करी के लिए आसान बनाया था। 1992 में इसे लंदन से अवैध रूप से न्यूयॉर्क लाया गया। फिर इसे दोबारा जोड़कर मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट (मेट) में दान कर दिया गया था। यह मूर्ति मेट म्यूजियम में रही, जब तक इसे 2023 में एंटी विक्टिटी ट्रैफिक यूनिट (एटीयू) द्वारा जब्त नहीं किया गया।

तनेसर देवी मां की मूर्ति- यह हरे-भूरे रंग के पत्थर से बनी मूर्ति राजस्थान के तनेसर-महादेव गांव से लूटी गई थी। इसकी जानकारी 1950 के दशक के अंत में भारतीय पुरातत्व विभाग ने दस्तावेजों में दर्ज किया था। लेकिन 1960 के दशक की शुरुआत में यह मूर्ति चोरी हो गई। बाद में 1968 में यह न्यूयॉर्क के एक गैलरी में पहुंची। फिर यह दो संग्रहकर्ताओं के पास रही। फिर 1993 में मेट म्यूजियम पहुंच गई। यह मूर्ति 2022 में एटीयू ने जब्त की थी।

तस्करों ने अपने नेटवर्क के जरिए इन प्राचीन वस्तुओं की चोरी की। इनमें प्राचनी वस्तु तस्कर सुभाष कपूर और तस्कर नैन्सी वीनर का नाम भी शामिल है। न्यूयॉर्क के डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूटर एल्विन एल ब्रैग जूनियर ने कहा, हम प्राचीन वस्तुओं की तस्करी करने वाले उन नेटवर्क की निगरानी करना जारी रखेंगे, जिन्होंने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को निशाना बनाया है।

आगे क्या होगा

डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूटर की एंटी विक्टिटी ट्रैफिकिंग यूनिट ने 30 सेअधिक देशों से लूटी गई 2,100 से अधिक प्राचीन वस्तुएं बरामद की हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 230 मिलियन डॉलर (करीब 1,700 करोड़ रुपये) है। इस वर्ष 600 से अधिक लूटी गई भारतीय प्राचीन वस्तुएं बरामद की जा चुकी हैं और आने वाले महीनों में उन्हें भारत वापस भेजा जाएगा।

राष्ट्रपति दिसानायके की पार्टी की एकतरफा जीत, सोमवार को नियुक्त करेंगे नए PM और मंत्रिमंडल

कोलंबो,16 नवम्बर 2024। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की पार्टी ने श्रीलंका में एकतरफा जीत हासिल की है। राष्ट्रपति दिसानायके सोमवार को देश के नए प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की नियुक्ति करेंगे। उनकी पार्टी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने शुक्रवार को संसदीय चुनाव में रिकॉर्ड जीत हासिल की। एनपीपी ने शुक्रवार को संसदीय चुनाव में जीत दर्ज करते हुए संसद में दो तिहाई (159) बहुमत हासिल कर लिया और देश के तमिल अल्पसंख्यकों के गढ़ जाफना निर्वाचन क्षेत्र में भी अपना प्रभुत्व स्थापित कर दिया।

पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता तिल्विन सिल्वा ने संवाददाताओं से कहा, हम सोमवार को मंत्रिमंडल की नियुक्ति करेंगे, जिसमें 25 मंत्री शामिल हो सकते हैं, हालांकि यह संख्या 23 या 24 से भी कम हो सकती है। श्रीलंका के संविधान के अनुच्छेद 46 के अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों की कुल संख्या 30 तक सीमित है। उप-मंत्रियों की संख्या कुल मिलाकर 40 से अधिक नहीं होगी।

सिपार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता ने बताया कि उप-मंत्रियों की संख्या अधिक हो सकती है। हमें बड़े मंत्रालय के विषयों को संभालने के लिए अतिरिक्त उप-मंत्रियों की नियुक्ति करनी पड़ सकती है। एनपीपी जनता के लिए लागत कम करने के लिए हमेशा से छोटी सरकार की वकालत करती रही है।

एनपीपी ने सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीता था तब से देश की सरकार राष्ट्रपति सहित केवल तीन मंत्रियों के साथ काम कर रही थी। देश में हुए संसदीय चुनाव में एनपीपी को कुल मतों में से 61.56 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं।

खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला को भारत प्रत्यर्पित करेगा कनाडा...क्या बोलीं विदेश मंत्री मेलोनी जॉली

ओटावा,16 नवम्बर 2024। कनाडा में गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला के भारत प्रत्यर्पण को लेकर जब कनाडा की विदेश मंत्री मेलोनी जॉली से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके पास अर्श डल्ला के भारत प्रत्यर्पण की मांग को लेकर कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला भारत में वांछित है और हाल ही में उसे कनाडा की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्श डल्ला की गिरफ्तारी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि खालिस्तानी आतंकी के भारत प्रत्यर्पण की मांग की जाएगी।

क्या बोलीं कनाडा की विदेश मंत्री

जब भारत की इस मांग को लेकर कनाडा की विदेश मंत्री मेलोनी जॉली से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि %अभी इस मामले की जांच चल रही है, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। अगर भारतीय राजनयिकों की तरफ से कोई जानकारी मांगी जाती है तो हम उनसे बात करेंगे। हालांकि जिस मामले के बारे में पूछा जा रहा है, उसके बारे में मेरे पास फिलहाल कोई विशेष जानकारी नहीं है, लेकिन हम विदेश मंत्रालय के स्तर पर बातचीत जारी रखेंगे।

भारत कनाडा के बीच चल रहा तनाव

अर्श डल्ला का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास चल रही है। दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। बीते दिनों कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों ने हमला किया था, जिसकी प्रधानमंत्री मोदी ने भी कड़ी आलोचना की थी।

भारत में वांछित आतंकी है अर्श डल्ला

अर्श डल्ला को बीती 28 अक्तूबर को कनाडा में गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अर्श डल्ला भारत में भगोड़ा घोषित है और उस पर हत्या, हत्या के प्रयास, वसूली, आतंकी वारदात को अंजाम देने जैसे 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। अर्श डल्ला पर आतंकवाद को वित्तपोषित करने का भी मामला चल रहा है। मई 2022 में डल्ला के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। साल 2023 में अर्श डल्ला को भारत में आतंकी घोषित किया गया। भारत सरकार ने पूर्व भी कनाडा की सरकार से उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साला की मौत,जीजा गंभीर

- संवाददाता -

अंबिकापुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित शहर से लगे लुचकी घाट के पास 15 नवंबर की शाम को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार जीजा व साला गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों साला को मृत घोषित कर दिया। जबकि जीजा का इलाजा चल रहा है।

जानकारी के अनुसार इस्थिफिनेश तिर्की पिता करम साय उम्र 25 वर्ष रायगढ़ जिले के ग्राम खपड़ेगा लैलूंगा का रहने वाला था। वह 15 नवंबर को बाइक से अपने जीजा राजेश एक्का को छोड़ने केदमा जाने निकला था। शाम करीब 5 बजे रायगढ़-अंबिकापुर मार्ग स्थित लुचकी घाट के पास पहुंचा ही था कि अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में जीजा-साला दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को संजीवनी 108 से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने इस्थिफिनेश तिर्की को मृत घोषित कर दिया। जबकि राजेश का इलाज चल रहा है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत बेटा रायपुर रेफर

दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से जा रहे थे दोनों

- संवाददाता -

अंबिकापुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम करवां के पास ट्रेलर ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल बेटे को इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया है। दोनों 15 नवंबर को बाइक से दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार बाबूलाल उम्र 51 वर्ष ग्राम कसकेला चौकी लटोरी का रहने वाला था। वह 15 नवंबर को बपने बेटा भीम सिंह के साथ बाइक से दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम कालीपुर जा रहा था। ग्राम करवां के पास ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 एसी 5221 ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पिता-पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान 16 नवंबर की सुबह पिता की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल बेटे को इलाज के लिए चिकित्सकों ने रायपुर रेफर कर दिया है।

गर्भपात की दवा खाने के 15 दिन बाद बिगड़ी तबियत,महिला की मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गर्भपात की दवा खाने के 15 दिन बाद महिला की तबियत बिगड़ गई।

उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार धनेश्वरी पति रामकिशुर इक्षसह 31 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम विजयनगर का रहने वाली थी। वह 15 दिन पूर्व गर्भपात की दवा खा ली थी। शुक्रवार को अचानक उसका तबियत बिगड़ गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पाकिस्तान की काली करतूत का पर्दाफाश

पार्क में कसरत करते मुंबई हमले के मास्टरमाइंड का वीडियो वायरल

मुंबई, 16 नवम्बर 2024। मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेशन कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहा है। सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो वायरल हुए है, जिसमें एक वीडियो में वो एक पार्क में आसानी से जिम सेशन में हिस्सा ले रहा है। हालांकि, वीडियो की सही जगह और तारीख के बारे में अभी तक स्पष्ट नहीं है। वहीं जकी-उर-रहमान लखवी को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि उसने अपना लुक बदल लिया है।

पाकिस्तान की जेल से बाहर है लखवी?

इससे पहले आतंकी जकी-उर-रहमान लखवी को इस्लामाबाद कोर्ट में देखा गया था, तब उसे लंबी दाढ़ी में देखा गया था। इससे ऐसा माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की ओर से आतंकी घोषित लखवी कथित तौर पर पाकिस्तान की जेल से बाहर है। दरअसल करीब तीन साल पहले उसे लाहौर की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने साल 2021 में आतंकी वित्तपोषण मामले में पांच साल जेल की सजा सुनाई थी और उस पर जुर्माना भी लगाया था।

भारत और अमेरिका ने लगाए थे आरोप

भारत और अमेरिका ने लखवी पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इस हमले में कम से कम 160 लोग मारे गए थे। हालांकि, पाकिस्तान ने लंबे समय तक लखवी की मुंबई हमलों में संलिप्तता से इनकार किया था। लेकिन वित्तीय संकट और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे-लिस्ट में शामिल होने के बाद पाकिस्तान को उसे मजबूरन जेल भेजना पड़ा था। तब से उसे कई बार पाकिस्तान की सड़कों पर खुलेआम आराम से घूमते देखा गया है।

भारत ने पाकिस्तान से लखवी को सौंपने को कहा था

कई मौके पर भारत ने पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेशन कमांडर को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा, लेकिन पाकिस्तान ने अब तक कहा है कि वह मुंबई हमलों से जुड़े पाए जाने वाले अपने किसी भी नागरिक को भारत को नहीं सौंपेगा। इस्लामाबाद की तरफ से ये भी कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों पर पाकिस्तानी कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

26 अक्तूबर के इस्राइली हमले में तबाह हुआ ईरान का परमाणु केंद्र?

तेल अवीव,16 नवम्बर 2024। इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमले को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब इस हमले को लेकर चौंकाने वाला दावा किया गया है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस्राइली हवाई हमले में ईरान के खुफिया परमाणु केंद्र तबाह हुआ है। इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लगा बड़ा झटका

मीडिया रिपोर्ट्स में अमेरिका के तीन और इस्राइल के दो शीर्ष अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्राइली हवाई हमले में ईरान का एक सक्रिय परमाणु विकास केंद्र तबाह हुआ है। यह परमाणु केंद्र ईरान के पारचिन इलाके में स्थित था। ईरान द्वारा लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अगर रिपोर्ट्स में किया गया दावा सही है तो फिर यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

इस्राइली सेना ने हवाई हमले में ईरानी सेना के एक परिसर को निशाना बनाया था। इस परिसर में कथित तौर पर ईरान द्वारा सैन्य उद्देश्य से परमाणु कार्यक्रम चलाया जा रहा था। हालांकि यह कार्यक्रम खुफिया तौर पर संचालित हो रहा था क्योंकि ईरान की सरकार इसे नागरिक परमाणु केंद्र के तौर पर दर्शाया था।

26 अक्तूबर को इस्राइल ने किया था ईरान पर हवाई हमला

उल्लेखनीय है कि ईरान के हमले के जवाब में इस्राइली सेना ने बीती 26 अक्तूबर को ईरान पर हवाई हमला किया था। इस हमले में ईरान को भारी नुकसान हुआ और उसका अंतरिक्ष केंद्र भी तबाह हुआ था। इस्राइली हवाई हमले में चार ईरानी सैनिकों की मौत होने का दावा किया गया था। हमले में ईरान की मिसाइल निर्माण इकाइयों को भी नुकसान हुआ। हालांकि, ईरान ने हमले से होने वाले नुकसान को मामूली बताया था। अमेरिका ने इस्राइल के हवाई हमले को आत्मरक्षा करार दिया था और जवाबी कार्रवाई के लिए ईरान को धमकी दी थी।

जिले मे कार्यरत 04 आरक्षकों को प्रधान आरक्षक के पद पर किया गया पदोन्नत

» पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को शुभकामनायें देकर बेहतर कार्य करने हेतु किया गया प्रेरित

- संवाददाता -

अंबिकापुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गत दिनांक 15/11/24 को पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.)के निर्देशन में पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर अम्बिकापुर मे पदोन्नती कार्यक्रम आयोजित कर 03 महिला आरक्षक एवं 01 आरक्षक कुल 04 आरक्षकों कों फीता लगाकर प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया, पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने सभी प्रधान आरक्षको को पदस्थापना के दौरान अपने अनुभव के आधार पर बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया एवं विभाग द्वारा प्रदत्त नई जिम्मेदारी का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने की शुभकामनाएं दी गई।

पदोन्नत महिला प्रधान आरक्षक किरण सोनी, अंजेला मिंज, मेबिस ज्योत्स्ना खाखा एवं पदोन्नत प्रधान आरक्षक निरज पाण्डेय को कार्यक्रम के दौरान पदोन्नति प्रदान की गई।

पदोन्नति कार्यक्रम के दौरान संभागीय सेनानी नगर सेना श्री राजेश पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक एम.आर. कश्यप, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर श्री राजेंद्र मंडावी, नगर सेना कमांडेंट श्री शिवकुमार कठोतिया एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

फुटकर विक्रेता के गोदाम से अवैध रूप से भंडारण किये गये धान की कि गई ज़ब्ती

» 40 क्विंटल धान किया गया जब्त

- संवाददाता -

सूरजपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खरीफ विपणन वर्ष 24- 25 के तहत राज्य सरकार द्वारा 14 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। इसी के साथ ही शासन द्वारा अवैध रूप से धान का परिवहन, भंडारण और विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले में धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में आज तहसील रामानुजनगर, ग्राम कौशलपुर में राजस्व विभाग, मंडी व खाद्य विभाग द्वारा सयुंक्त टीम गठित कर फुटकर विक्रेता शिवनाथ साहू के गोदाम का निरीक्षण किया। जहां निरीक्षण में 40 क्विंटल धान (100 बोरी) गोदाम में पाया गया। फुटकर विक्रेता द्वारा मंडी अधिनियम के तहत विधिवत रसीद नहीं कटवाए जाने के कारण 100 बोरी धान

जब्ती की कार्यवाही की गई। जब्ती का प्रकरण तैयार कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई जायेगी ।

खाद्य अधिकारी श्री संदीप भगत ने बताया कि अवैध धान के परिवहन, भंडारण व बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर सख्त है। कलेक्टर के निर्देशानुसार आगे भी अवैध धान संग्रहण व परिवहन करते पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उक्त कार्रवाई में एसडीएम श्री अजय मोड़ियाम, तहसीलदार श्री सूर्यकांत व संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जरही में महामाया खुली खदान परियोजना अंतर्गत अभिलेख सत्यापन हेतु शिविर का किया गया आयोजन

- संवाददाता -

सूरजपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सामुदायिक भवन जरही में महामाया खुली खदान परियोजना अंतर्गत ग्राम जरही में कुल 65 रोजगार के लिए अभिलेख सत्यापन हेतु शिविर आयोजित किया गया। जिसमें से कुल 65 रोजगार के लिए प्रस्तावित व्यक्तियों, संबंधित भू स्वामी एवं सहमति हेतु क्लब किए गए भू स्वामी के राजस्व अभिलेख व उनके द्वारा एसईसीएल में प्रस्तुत किए गए संपूर्ण दस्तावेज का जांच सत्यापन किया गया।

C M Y K

क्या दिव्यांग संघ को आश्वासन देकर ठगा गया...3 दिसंबर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का बहिष्कार कर दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल यात्रा निकालने के लिए हुए मजबूर ?

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वालों पर कार्यवाही के लिए दिव्यांग संघ लगा रहा गुहार

जब तक मांगे नहीं होंगी पूरी तब तक लड़ेंगे लड़ाई चाहे मौत क्यों ना आ जाएः बोहित राम चंद्राकर

पूर्व के आंदोलन के दौरान 6 बिंदुओं पर कार्यवाही करने का दिया था आश्वासन लेकिन एक महीने बाद भी कुछ नहीं हुआ

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र मामले में स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी पर भी है नौकरी करने का आरोप

मांगे पूर्ण न होने से दिव्यांगजन दुखी एवं आक्रोशित

छ.ग दिव्यांग सेवा संघ प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चंद्रकार ने कहा की आज दिनांक तक मांगे पूर्ण न होने से हम सभी छ.ग. प्रदेश के दिव्यांगजन बहुत दुखी एवं आक्रोशित है। शासन हमारे साथ छलावा कर रही है हमारे राज्य में केवल 500 रू पेंशन दिया जा रहा है एवं चुनावी वाले प्रदेशो मे 2500 रू का घोषणा पत्र जारी कर रहे है यह शासन प्रशासन का दोगलापन है।

ऐसा होगा आंदोलन

दिनांक 03.12.2024 को सुबह 10 बजे मरीन ड्राइव से कलेक्टोरेट चौक होते हुए मुख्यमंत्री निवास तक दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल मार्च किया जावेगा। मांग पूर्ण होने पर दिनांक हमारे संघ के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार किया जावेगा। इस पैदल मार्च में 80 से 100 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति भी शामिल हो रहे है। यह पैदल मार्च धीरे धीरे चलेगा और 2 से 3 दिवस मे मुख्यमंत्री निवास पहुंचेगा। रास्ते मे जहाँ भी भोजन एव नाश्ता का समय होगा। रास्ते में ही रूक कर किया जावेगा। रात्रि विश्राम भी रास्ते में ही होगा। इस हेतू सभी दिव्यांग भाई बहनो से निवेदन है कि आप अपने साथ यथाशक्ति चावल दाल सब्जी अपने घर से लावे जब तक मांग पूरा नही होगा यह पैदल मार्च मांग पूरा होने तक चलेगा।

-विशेष संवाददाता-

रायपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में वास्तविक दिव्यांग अपने अधिकारों से वंचित हो रहे हैं,वहीं फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र लेकर लोग वास्तविक दिव्यांगों का हक मार कर नौकरी कर रहे हैं, जिसका विरोध दिव्यांग संघ लगातार कर रहा है,पिछले बार भी वह आंदोलन पर बैठे हुए थे और दिव्यांग व्यक्ति सड़क पर स्वाभिमान पैदल मार्च निकाला था,इसके बाद सरकार ने उन्हें 15 दिन में उनकी सभी मांगे पूरा करने का आश्वासन दिया था,लेकिन यहां 15 दिन तो दूर महीने बीत गए पर उनके आश्वासन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिसके बाद एक बार फिर दिव्यांग संघ 3 दिसंबर 2024 अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का बहिष्कार करेगा और उस दिन 80 से 90 प्रतिशत दिव्यांग लोग भी स्वाभिमान पैदल मार्च में सड़कों पर दिखेंगे, अब आप सोचिए कि दिव्यांगों को जो भगवान ने सताया है अब दिव्यांगों के नाम पर सेखी बघारने वाली सरकार भी उनके हकों का ख्याल नहीं रख रही है, हर साल अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस सरकार मनाती है और दिव्यांगों के योजनाओं व उनके अधिकारों पर लंबा चौड़ा भाषण देती है पर उनके अधिकारों को बचाने की तरफ उनका बिल्कुल भी रुख नहीं होता, ऐसा इस समय देखने को मिल रहा है क्योंकि वास्तविक दिव्यांग इस समय आंदोलन के लिए मजबूर हो गए हैं एक बार फिर दिव्यांग संघ आंदोलन पर जाने के लिए बाध्य है।

बता दे की छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने तीन दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के बहिष्कार का ऐलान किया है। दिव्यांगजन सीएम हाऊस तक पैदल मार्च भी करेंगे। दिव्यांग संघ के नेताओं का आरोप है कि फर्जी सर्टिफिकेट के सहारे नौकरी पाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की जांच नहीं हो रही है। संघ ने दिव्यांग वंदन योजना सहित छह सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन का फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पीएससी से चयनित डिप्टी कलेक्टर, लेखाधिकारी, नायब तहसीलदार सहित कुल 25 अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत हुई थी। इन सभी दिव्यांग सर्टिफिकेट की राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि किसी की भी जांच नहीं की गई। जबकि सरकार के सभी विभागों, और निगम मंडलों में सीधी-संविदा भर्ती के विज्ञापनों में दिव्यांगजनों के आरक्षित पदों पर चयनित उम्मीदवारों की ज्वाइनिंग से पहले संभागीय मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण कराना जरूरी है। चंद्राकर ने बताया कि इस दिशा में शासन स्तर पर कोई कदम नहीं उठाया गया। इसी तरह दिव्यांग कोटे के बैकलाग पदों पर विशेष भर्ती अभियान के लिए विज्ञापन जारी करने की भी मांग की गई है। दिव्यांगजनों के लिए पांच हजार रूपए मासिक पेंशन, और पदोन्नति में आरक्षण के लिए कार्रवाई की भी मांग की गई। कोरोनाकाल के पहले स्व रोजगार के लिए दिव्यांगजनों के द्वारा लिए गए निशक्तजन वित्त निगम के कर्ज को माफ करने की मांग की गई है।

संघ की हैं 6 प्रमुख मांग

1. संघ के शिकायती पत्रो मे उल्लेखित छ.ग. पी.एस.सी से चयनित 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 लेखा अधिकारी,3 नायब तहसीलदार 2 सहकारिता निरिक्षक, 3 पशु चिकित्सक सहित लगभग 25 लोगो का शिकायत शासन प्रशासन के समक्ष किया गया है। कृषि विभाग के 52 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी,उद्यान विभाग के 11 ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी, मुंगेली जिला के 39 अधिकारी कर्मचारी, जल संसाधन विभाग के लगभग 10 उपअभियंता, लोक निर्माण विभाग के लगभग 15 उपअभियंता 3 कृषि शिक्षक इत्यादि समस्त संभावित फर्जी दिव्यांगजनो का संभाग / राज्य मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण कराकर फर्जियो को तत्काल बर्खास्त किया जावे, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र छ.ग. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक दिनांक 29.05.23 एवं 22.06.23, समाज कल्याण विभाग के 08.05.2019, एवं 22.09.2 4 निम्नानुसार सुधार हो, उसके स्थान पर एक नया समेकित परिपत्र सामान्य प्रशासन विभाग से कराये जिसमे लिखा हो कि- एक छ.ग. शासन के सभी विभागो एवं निगम मंडलो मे सीधी / संविदा भर्ती के विज्ञापनो मे अंकित हो कि दिव्यांगजनो के आरक्षित पदो पर चयनित उम्मीदवारो का ज्वाइनिंग के पूर्व संभागीय मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण कराना अनिवार्य है। दिव्यांगता 40 प्रतिशत या अधिक होने पर ही ज्वाइनिंग कराया जावे। किसी प्रकार के शपथ पत्र के आधार पर ज्वाइनिंग नही कराया जावेगा। केवल स्थायी दिव्यांग प्रमाण पत्र मान्य होंगे। 1.1.19 के बाद दिव्यांगजनो के आरक्षित पदो पर चयनित उम्मीदवारो के दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण संभागीय मेडिकल बोर्ड / राज्य मेडिकल बोर्ड से एक माह के भीतर कराया जावे। इस हेतू प्रत्येक जिला मे संयुक्त कलेक्टर रैंक के अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाकर सभी विभागो से उस विभाग मे दिव्यांगता के आधार पर कार्यरत अधिकारी कर्मचारी के सूची मंगाकर उसमे से 1.1.19 के बाद नियुक्त समस्त दिव्यांगो एवं उसके पहले का शिकायत के आधार पर संभागीय मेडिकल बोर्ड / राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराया जावे। संभागीय मेडिकल बोर्ड के फैसले से व्यथित व्यक्ति/संघ राज्य मेडिकल बोर्ड के समक्ष अपील कर सकता है। फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने साबित होने पर संबंधित डॉक्टर के लाइसेंस निरस्त कर 5 साल सजा एवं 50 लाख जुर्माना का प्रावधान हो। फर्जी दिव्यांग साबित होने पर संबंधित पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के धारा 91 के तहत कार्यवाही किया जावेगा।

2. समस्त विभाग मे दिव्यांग कोटे के बैकलॉग पदो पर विशेष भर्ती अभियान विज्ञापन जारी किया जावे। परिपत्र जारी किया जा चुका है।

3. दिव्यांगजनो दिव्यांग वंदन योजना बनाकर प्रतिमाह 5000 रू मासिक पेंशन दिया जावे एवं बी0पी0एल0 की बाध्यता खत्म की जावे। यह राशि आंध्रप्रदेश मे 6000,तेलंगाना मे 4072, गोवा मे 3500 दिल्ली में 2500 है।

4. 21 वर्ष से अधिक आयु के अविवाहित दिव्यांग युवती को महतारी वंदन योजना मे शामिल किया जावे।

5. शासकीय पदो पर नियुक्त दिव्यांग शासकीय अधिकारियो-कर्मचारियो को पदोन्नती पर 3 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है जिसे कोई विभाग पालन नही कर रहा है। शासन के निर्धारित मापदंड अनुसार 3 प्रतिशत पदो पर 1.11.2000 से पदोन्नत पदो की गणना कर तत्काल उसके 3 प्रतिशत पर तत्काल पदोन्नती प्रदान करे। इस हेतू परिपत्र जारी किया जावे।

6. कोरोना काल के पूर्व के स्वरोजगार हेतू दिव्यांगजनो के द्वारा लिए गए निःशक्त वित्त निगम के कर्ज माफ किया जावे।

फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र पर नौकरी करने वालो का खुलासा किया था दिव्यांग संघ ने...

छ.ग. के समस्त दिव्यांग संघ के द्वारा दिनांक 26.07.24 एवं दिनांक 26.08.24 को प्रेसवार्ता कर छ.ग. मे फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से नौकरी कर रहे लोगो के नाम का खुलासा करते हुए पेंशन एवं अन्य अधिकार एवं संरक्षण संबंधित बाते रखी गई थी। हमारे संघ के प्रतिनिधि मंडल उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव जी, श्री विजय शर्मा जी, मंत्री श्रीमति लक्ष्मी रजवाडे, श्री रामविचार नेताम, श्री ओ.पी. चौधरी एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिलकर अपने 6 बिंदु पर मांग रख चुके है। इसके बाद दिनांक 26.08.24 को माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा हमारे संघ के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा किया गया हमारे 6 बिन्दु के मांग को 1 माह के अंदर पूर्ण करने को आश्वासन दिया गया। जिसके बाद दिनांक 28.08.24 को रायपुर मे विशाल दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल मार्च स्थगित किया गया।

ग्राम पंचायत में खुलेआम निर्माण कार्यों में किया जा रहा है भ्रष्टाचार

मनरेगा के तकनीकी सहायक नहीं जाते हैं निर्माण कार्य का निरीक्षण करने

तकनीकी सहायक लगा रहे हैं अपने उच्च अधिकारियों पर निर्माण कार्य से संबंधित आरोप

मनरेगा कार्यलय में बैठकर निर्माण कार्यों का स्टीमेट तैयार किया जाता है

लेआउट और मूल्यांकन भी हो रहा है

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां 16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां को निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार करने के लिए उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए यहां क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में ठेकेदारों के द्वारा काफी अच्छे निर्माण कार्यों में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार किया गया है ऐसा ही एक और मामला ग्राम पंचायत लकडापारा चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य हैं जो चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता और घटिया निर्माण को खुलेआम दे रहे हैं चैलेंज

ग्राम पंचायत लकड़ा पारा में पंचायत भवन के बगल से चेकर स्टाइल्स सडक का निर्माण कार्य महज़ 15 से 20 दिन पहले ही नवनिर्मित किया गया है जो मुख्य मार्ग से बनाया गया है। जिसे देखने में तो सी सी सड़क के रूप में दिखाई देता है मगर सड़क का निर्माण कार्य चेकर टाईल्स से किया गया है। जनपद पंचायत के स्थानीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई की इस चेकर टाइल्स सड़क का निर्माण कार्य कोई देवाडाड के बड़े दबंग नेता एवं ठेकेदार के द्वारा कराया गया है जबकि निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत लकडापारा है इस ठेकेदार ने चेकर टाईल्स सड़क निर्माण कार्य में टूटे-फूटे टाइल्स को यहां लगाकर ऊपर से प्लास्टर कर दिया गया है जिससे ये टूटी फूटी टाइल्स ना दिख सके और चेकर टाईल्स सड़क के साइड सोल्डर के निर्माण कार्य को भी पूर्णतः घटिया और गुणवत्ता विहीन किया गया है जैसे लिपाई किया हो 7 इस चेकर टाईल्स सड़क निर्माण कार्य में

घटिया स्तर के चेकर स्टाइल्स का उपयोग किया गया है, एवं हाथ की तोडी हुई गिट्टी का उपयोग कर चेकर टाइल्स सड़क का निर्माण कार्य धड़ल्ले से किया गया है। जबकि सडक पर कई जगह टूटे एवं गले हुए टाइल्स नजर आ जाएंगे सड़क का निर्माण हुए महज चंद दिन हुए हैं और सड़क जगह जगह टूटने लगी। सबसे ग़ौर करने वाली बात यह है कि निर्माण कार्य पूर्ण हो के बाद भी जानकारी देने वाला सूचना पटल पर कोई किसी प्रकार की निर्माण संबंधित जानकारी अंकित नहीं है।

क्या निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत या ठेकेदार इसकी जानकारी ग्रामीणों को देना नहीं चाहता है ऐसा इस जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कार्य पूरा हो जाने और निर्माण कार्य का पैसा निकल जाने के बाद सूचना पटल में लिपाई पुताई कर निर्माण संबंधित जानकारी अंकित किया जाता है। मनरेगा के तकनीकी सहायक जिन्हें इन निर्माण कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है वह भी अपने कार्य के प्रति गंभीर नजर नहीं आते जिसका प्रमाण निर्माण

तकनीकी सहायक से मोबाइल पर संपर्क कर इस संबंध में जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि मैं छुटी थी आज ही ज्वाइन की हूं ग्राम पंचायत लकडापारा चेकर टाइल्स सड़क का निर्माण कार्य एस डी ओ साहब ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा कराया गया है मुझे इस संबंध में जानकारी नहीं है जांच कर बता पाऊंगी

मनरेगा तकनीकी सहायक रागिनी सिंह

एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने 17 आरक्षकों को फीता लगाकर प्रधान आरक्षक के पद पर दी पदोन्नति

-संवाददाता-

सूरजपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में कार्यरत् 17 आरक्षक पदोन्नत होकर प्रधान आरक्षक बने। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरक्षक महेत्तर सिंह, देवनंदन राजवाड़े, ज्ञानेन्द्र परमार, कृष्णकांत पाण्डेय, दीपक सिंह, अलका टोप्पो, निमेश शर्मा, आशीष श्रीवास्तव, अनुज यादव,

ग्रेसमनी मिंज, कमल किशोर, दीपक कुमार दुबे, राघवेन्द्र शर्मा, नंद किशोर राजवाड़े, लालमन राजवाड़े, रविशंकर पाण्डेय व नरेन्द्र मिश्रा को फीता लगाकर प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति दी। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को कहा कि फरियादी जब अपनी समस्या लेकर पुलिस के पास आता है तो हमसें अपनी समस्या के निराकरण व कार्यवाही की आशा-उम्मीद करता है उसे न्याय दिलाने की दिशा में त्वरित एक्शन ले और उसे संतुष्ट कर भेंजे, जनता के हित में कार्य करें, सौपें गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ ईमानदारी से निर्वहन करें। उन्होंने पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाए दी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी रितेश चौधरी, स्टेनो अखिलेश सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर ने तपकरा होम्योपैथिक डां. को निलंबित करने के दिए निर्देश

-संवाददाता-

जशपुरनगर,16 नवम्बर 2024(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज फरसाबहार विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तपकरा का आकस्मिक निरीक्षण करके स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल परिसर के सामने पेड़ पौधे लगाकर सुव्यवस्थित करने के लिए कहा है। साथ ही भवन में जहां जहां सिपेज की समस्या है। उसको एजेन्सी के माध्यम से ठीक करवाने के लिए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए हैं। उन्होंने छत की साफ सफाई करवाकर पानी निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान तपकरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ होम्योपैथिक डॉक्टर नीलम कुजुर अनुपस्थित पाए गए उन्हें नोटिस जारी करके निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। आस पास के लोगों ने बताया कि वे नियमित अस्पताल नहीं आती है। और हमेशा अनुपस्थित रहती है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/ /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम बकिरमा को सूचित किया जाता है। आवेदक महेन्द्र प्रसाद साहू आ0स्व0 सत्यनाराण जाति तेली निवासी ग्राम बकिरमा तहसील प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-बकिरमा प.ह0नं0- 14 रा0नि0मं0-प्रेमनगर तह0 प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर, छ0ग0 स्थित भूमि खसरा क्रमांक 976/7 रकबा 0.03 हे0 को कृषि प्रयोजन से व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन - पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन-पत्र के साथ बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की छायाप्रति, नक्शा, शपथ-पत्र सरगुजा स्टेट सेटलमेंट की छायाप्रति, ग्राम पंचायत बकिरमा का अनापत्ति प्रमाण पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 21/11/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/10/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
रामानुजनगर जिला-सूरजपुर

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी,कोरबा वनमण्डल कोरबा, छत्तीसगढ़

का.07759-221273,नि-07759-222504 फैक्स 07759-223531 Email:dfo_korba@yahoo.co.in

क्रमांक/ राजस्व/6888 कोरबा दिनांक 12/11/2024

// नीलाम //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कोरबा वनमण्डल के अंतर्गत जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा में रखी गई निम्न विवरण अनुसार जलाऊ लकड़ी का नीलाम दिनांक 21.11.2024 को प्रातः 10:30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा किया जावेगा।

वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपो का नाम	प्रजाति	पुराना वनोपज	नया वनोपज	योग
जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	307 चट्टा	-	307 चट्टा
	सागौन जलाऊ	47 चट्टा	-	47 चट्टा
	नीलगिरी जलाऊ	-	-	-
	योग	**354 चट्टा**	-	**354 चट्टा**
अस्थाई डिपो नोनबर्रा	सतकठा जलाऊ	622 चट्टा	413 चट्टा	1035 चट्टा
नगरीय डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	-	85 चट्टा	85 चट्टा
	कुल योग	**976 चट्टा**	**498 चट्टा**	**1474 चट्टा**

टीपः-

01. नीलाम में रखी जाने वाली वनोपज का कार्यालयीन दिवस में जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा से अवलोकन की जा सकती है।
02. नीलाम की शर्तें एवं वनोपज का विस्तृत विवरण मटेरियल सूची कार्यालय दिवस में वनमंडल कार्यालय एवं परिक्षेत्र अधिकारी,कुदमुरा (उत्पादन) से प्राप्त किया जा सकता है।
03. नीलाम बोली मान्य का 25 प्रतिशत ई.एम.डी. मल्टीसिटी चेक/ बैंक ड्राफ्ट, भारतीय स्टेट बैंक का ही स्वीकार किया जावेगा अन्य बैंकों नहीं।
04. वनोपज की उक्त सूचित मात्रा में बढ़त/घटत संभावित है।
05. कार्य आदेश प्राप्त करते समय पेन/कार्ड टीन नंबर/जी.एस.टी.नंबर की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा किया जाना आवश्यक है।

जी.नं-242503809/5

वनमण्लाधिकारी
कोरबा वनमण्डल कोरबा

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर(छ.ग.)

E-mail:eebalram-phe-cg@nic.in

निविदा सूचना क्रं/22/ले.शा./जजी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./ 2024 बलरामपुर दिनांक 13.11.2024

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म ''अ'' निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि.नि.क्रं.	कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में)
161188	64.29
161187	193.44
161186	41.61

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि,बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि,निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑनलाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 14.11.2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 03.12.2024 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर(छ.ग.)

जी.नं-242503802/1

मैं भी कुलदीप साहू बन जाऊंगा...मर्डर कर दूंगा...

अशफाक के गुर्गे ने बुलेट शोरूम के मालिक को दी धमकी

अशफ़ाक जिस बुलेट शोरूम से खरीदी थी बुलेट उस शोरूम को नहीं किया 6.5 लाख का भुगतान

जान से मारने व शोरूम जलाने की धमकी देने वाला कोई और नहीं अशफाक का करीबी व सावरावा धान खरीदी प्रभारी रिजवान है, जिसके विरुद्ध थाने में हुई शिकायत

अशफाक व उसके पिता के विरुद्ध एक और शिकायत जिसमें उन्होंने बुलेट शोरूम का भुगतान नहीं किया

बिना पैसे दिए अपने दोस्त रिजवान को बुलेट लेने भेज शोरूम और संचालक को धमकी दिलाया

फाईल फोटो

मो. रिजवान अंसारी

फाईल फोटो

ये मासूम इतने खतरनाक होगे कोई सोच नहीं था

कुलदीप ने ऐसा क्या कर दिया कि लोग कुलदीप बनना चाहते हैं?

सूरजपुर में 13 अक्टूबर को हुए दोहरा हत्याकांड का आरोपी कुलदीप साहू इस समय लोगों के दिमाग में चढ़ गया है, लोग उसी की तरह बनने का प्रयास करना चाह रहे हैं, ऐसा बार-बार बातों में सुनने को मिलने लगा है, कई बार जब भी आपसी कोई गर्मा गर्मी होती है और किसी बात को लेकर बहस होती है तो लोगों के जुबान से यह बात निकलता है कि मैं भी कुलदीप बन जाऊंगा? पर सवाल यह उठता है कि आखिर कुलदीप साहू ने ऐसी कौन सी उपलब्धि हासिल कर ली है की लोग उसके तरह हत्यारा बनना चाह रहे हैं? किसी ने सही कहा है की अच्छी चीज ग्रहण जल्दी नहीं होती पर बूरी चीज जल्द लोग ग्रहण कर लेते हैं, कई ऐसे उदाहरण देश में है जिसे करने से व्यक्ति एक अच्छी छवि बना सकता है और एक अच्छी उपलब्धियां पर जा सकता है पर न जाने खराब उदाहरण को ही लोग क्यों आचरण में लाना चाहते हैं? क्या देश में खराब चीजों को ग्रहण करने में लोगों के दिलचस्प ज्यादा है? कई ऐसे महान हस्तियां हैं जो देश के लिए गौरव है पर वैसे गौरव को हासिल करने की सोच रखने वालों की संख्या कम हो रही है और अपराधी बनने वालों की संख्या ऐसे ही सोचों से बढ़ रही है। ऐसे ही देश के युवा यदि गलत चीजों को ग्रहण करेंगे तो देश कैसे आगे बढ़ेगा? आज ऐसे सोच के लिए प्रशासन व सरकार भी जिम्मेदार मानी जा रही है यदि कड़ी कार्रवाई हो गई होती तो शायद कोई दोबारा कुलदीप साहू बनना नहीं चाहता?

-ओमकार पांडेय-

सूरजपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक हत्यारा सेलिब्रिटी कब से हो गया? लोग उसी के जैसे बनने की बात क्यों कहने लगे? एक हत्यारे ने लोगों के मन में ऐसी कौन सी छाप छोड़ दी कि लोग अब हत्यार बनना चाह रहे हैं? अब आप सोच रहे होंगे कि यह बात इस समय क्यों हो रही है? तो यह बात इस समय इसलिए हो रही है क्योंकि इस समय हर गुस्साया हुआ व्यक्ति कुलदीप साहू बनना चाहता है, हत्या करना चाहता है, ऐसा ही एक मामला सामने आया है जो संयोग से सुरजपुर का ही है, जहां ठग अशफाक उल्लाह का एक गुर्गा रिजवान अंसारी सूरजपुर स्थित बुलेट शोरूम में घुसकर संचालक को धमकी देता है और जबरदस्ती अशफाक की गाड़ी मांगता है नहीं देने पर शोरूम संचालक को धमकी देता है कहता हैं कि मैं कुलदीप साहू बन जाऊंगा मर्डर कर दूंगा, शोरूम को आग लगा दूंगा।

बुलेट शोरूम के संचालक सौरभ प्रताप सिंह ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि मेरे शोरूम से असफाक उल्लाह पिता जरीफ उल्लाह निवासी सोनपुर (शिवप्रसादनगर) के द्वारा लगभग 70 गाड़ियां खरीदी गयी थी जिसमें कुछ अपने नाम पर और कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम पर खरीदी की गयी थी। साख अच्छी होने की वजह से कुछ गाड़ियां ऐसे ही ले गया था जिसमें 650000/- (छः लाख पचास हजार) रूपये बकाया है जिसके एवज में 300000/- (तीन लाख) का चेक दिया था और 350000/- (तीन लाख पचास हजार) रूपये नगद भेजवाने को कहा था। जो अभी तक न तो नगद राशि प्राप्त हुई और न ही चेक की राशि प्राप्त हुई। इस बीच चेक की राशि भी अनादरित हो गयी। इसी बीच असफाक उल्लाह की बुलेट जो वह शो रूम से लेकर गया था जो पानी में चले जाने की वजह से उसमें तकनीकी खराबी आ गयी थी, जिसे असफाक उल्लाह ने बनाने के लिये लगभग चार महिना पहले दिया था और कहा था कि मेरे बुलेट को बना दिजियेगा और जब लेने आऊंगा तब बुलेट के बनवाने का पैसा और बकाया 6 लाख 50 हजार का रकम दे दूंगा और असफाक ने जाते-जाते यह भी कहा था की यह वाहन जब मैं आऊंगा तभी दिजियेगा किसी और को बिलकूल नहीं। इसी बीच असफाक उल्लाह का दोस्त जिसका नाम मो. रिजवान अंसारी जो सोनपुर (शिवप्रसादनगर) का रहने वाला है जो शो रूम में 08 नवम्बर 2024 तथा 10 नवम्बर 2024 को दो दिन आया और उसके द्वारा यह कह गया कि मेरा बुलेट कब दे रहे है, क्योंकि असफाक ने मुझे यह बुलेट बेच दिया है। शोरूम संचालक द्वारा असफाक उल्लाह की तरफ बकाया राशि की बात बतायी गयी और यह भी कहा गया की यह बुलेट असफाक ने बनाने को दिया है और यह वाहन मैं आपको नहीं दे सकता। तो रिजवान अंसारी द्वारा शोरूम संचालक को और उसके भाई सचिन प्रताप सिंह के साथ वहां मौजुद स्टॉफ के मौजूदगी में भद्दी-भद्दी गालीयां देते हुए मेरे शोरूम में आग लगाने की बात कही साथ ही झूठे मामले रेप केस में फंसाने की बात कही। धमकी देते हुये उसके द्वारा यह कहा कि तुझे किसी छोटी बच्ची या फिर मेरी पत्नि के द्वारा रेप केस करवा कर फंसा दूंगा। गाड़ी दे दो वरना मैं भी कुलदीप साहू बन जाऊंगा और तेरा मर्डर कर दूंगा, तेरे शोरूम में आग लगा दूंगा। रिजवान द्वारा उक्त कही गयी बात का मेरे मोबाईल में रिकार्डिंग भी है। शोरूम संचालक का यह भी कहना है कि उसके द्वारा रिजवान को यह भी कहा कि असफाक उल्लाह से बात करा दो या फिर गाड़ी का पेपर दिखा दो पर वह किसी में भी तैयार नहीं हुआ और अपना ही जबरदस्ती करता रहा। इस पूरे प्रकरण में शोरूम संचालक का कहना है कि उन्हें इस बात का संदेह है कि असफाक उल्लाह द्वारा यह पूरा षडयंत्र किया जा रहा है क्योंकि असफाक के साथ रिजवान अंसारी की मित्रता है और असफाक उल्लाह के द्वारा बकाया राशि जो उसे उससे लेनी है असफाक को न देना पड़े इसलिए रिजवान को साजिश के तहत लाया जा रहा है। शोरूम संचालक को इस बात की जानकारी भी मिली की असफाक उल्लाह इस समय फरार चल रहा है पर उन्हें संदेह है कि रिजवान और असफाक दोनों एक दूसरे के सम्पर्क में है।

8 नवम्बर को शोरूम के सीसीटीव में गलि गालोज करते कैद हुआ रिजवान

10 नवम्बर को शोरूम के सीसीटीव में गलि गालोज करते कैद हुआ रिजवान अंसारी

धमकी देने वाला युवक ओड़गी के सावरावा धान खरीदी केंद्र का प्रभारी है...

शिकायतकर्ता ने बताया कि रिजवान अंसारी ओड़गी के सावराव धान खरीदी केंद्र का प्रभारी है, धान खरीदी में भी खूब धांधली करता है, कई लोगों के नाम से फर्जी खाता खुला रखा है और कांग्रेस राज में जुगाड़ से धान खरीदी केंद्र प्रभारी बन गया और अब बीजेपी सरकार में भी अपने मनपसंद जगह पर पदस्थ रहने का जुगाड़ लगा रहा है। सोमवार को सूची आने वाली है उसमें प्रभारी से प्रबंधक बनने के जुगाड़ में है।

धान खरीदी की जिम्मेदारी ना मिले नहीं तो होगा भ्रष्टाचार

रिजवान अंसारी को धान खरीदी की जिम्मेदारी न देने की मांग अब उठने लगी है लोगों का कहना है कि यदि इन्हें धान खरीदी की जिम्मेदारी मिलेगी तो पूर्व की तरफ फिर से भ्रष्टाचार की आशंका बनी रहेगी, 2021 में भी धान खरीदी में अनिमियता पाई जाने की वजह से उन्हें हटाया गया था। इस बार फिर से वह भाजपा ब्लाक अध्यक्ष के माध्यम से धान खरीदी प्रभारी व प्रबंधक बनने की जुगत में लगे हुए हैं।

शिव शिष्य समिति का हुआ विस्तार

चंद्रिका कुशवाहा पुनःबने जिलाध्यक्ष

-संवाददाता-

प्रतापपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शिव शिष्य परिवार द्वारा महादेव महागुरु महेश्वर शिव की कृपा और साहब दीदी के आशीर्वाद से मानपुर के शिव मंदिर प्रांगण में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के विस्तार और शिव कार्य को गति देने के लिए सूरजपुर जिले की नई 21-सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

सदस्यों ने सर्वसम्मति से चंद्रिका कुशवाहा को पुनः जिलाध्यक्ष के रूप में चुना। चंद्रिका कुशवाहा के नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलने की आशा जताई गई। वहीं, रामशरण राजवाड़े को उपाध्यक्ष, अजय कुमार साहू को सचिव, और जानकी राम राजवाड़े को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

जिला कार्यकारिणी में शामिल अन्य सदस्यों में वकील प्रसाद चौधरी, श्रीमती सुमित्रा रज्जक, श्रीमती अन्नु सिंह, श्रीमति कलेश्वरी सिंह, घुरन राम सारथी, सोहन राम सारथी, अवधेश यादव, श्रीमती डॉ चंदा सिंह मरकाम, श्रीमती सौतिलोतमा पैकरा, श्रीमती सुमित्रा राजवाड़े, धुनेश्वर प्रसाद, गोपाल देवांगन, मंगलसाय प्रजापति, लखन ठाकुर, प्यारेलाल विश्वकर्मा, विजय सिंह और रजिंदर सिंह को शामिल किया गया।

बैठक के दौरान बलरामपुर जिले से पंचम कुशवाहा और कृष्णा सिंह, सूरजपुर जिले से मनीषा सिंह और पार्वती, तथा लखनपुर से बिहारी यादव सहित बड़ी संख्या में शिव शिष्य परिवार के गुरु भाई-बहन उपस्थित रहे। समिति ने यह स्पष्ट किया कि उनका मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास को समाप्त करना है। शिव चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शिव शिष्य समिति के विस्तार से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। यह समिति जिले में शिव चर्चा कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करेगी। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समर्पित कार्यों के माध्यम से समाज को सही दिशा में अग्रसर करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।

बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन को एकजुट होकर आगे बढ़ाने और शिव के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाते हुए, शिव चर्चा और जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देने की रूपरेखा तय की गई।

सायबर सेल गाँधीनगर एवं चौकी फुनगा पुलिस ने ऑनलाइन फॉड करने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार

कॉन्टेक्ट/चैट लिस्ट से नंबर निकालकर अधिकतर लड़कियों/कॉलेज की छात्राओं को बनाता था शिकार

-बागी कलम-

अनूपपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 14.11.24 को क्राईम रजिस्टर नम्बर 11201018240023/24 धारा 318(4) बीएनएस, 66(सी), 66(डी) आईटी एक्ट के प्रकरण में सायबर सेल गाँधीनगर गुजरात की टीम आरोपी प्रभात कुमार गुप्ता पिता छोटेलाल गुप्ता उम्र 21 वर्ष निवासी वार्ड न.03 बदरा थाना भालूमाड़ा जिला अनूपपुर की पता तलाश हेतु आये। जो आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के द्वारा पुलिस चौकी फुनगा से टीम गठित कर उक्त आरोपी को गिरफ्तार कराया। उक्त आरोपी द्वारा अपने मोबाइल में वाट्सएप के माध्यम से नये-नये लोगो को कॉल करता था, उन लोगों को बातों में लगाकर (कॉलेज का रजिस्ट्रेशन करने, प्रतियोगी परीक्षा की फीस भरना आदि बताकर) ओटीपी नम्बर भेजकर वाट्सएप हैक करता था।

अधिकतर लड़कियों/कॉलेज की छात्राओं को बनाता था शिकार -

वाट्सएप के माध्यम से हैक किए गए व्यक्ति के व्हाट्सएप से उसकी कॉन्टेक्ट/चैट लिस्ट से दूसरे व्यक्तियों का नम्बर निकालकर उनको मैसेज कर पैसा मांगता था। परिचित नम्बर होने के कारण इसे पैसा मिल जाता था, फिर उसी शिकार व्यक्ति के वाट्सएप से परिचितो के नम्बर लेकर यही प्रकिया आगे दोहराता था। पिछले 03-04 वर्षो से यही काम कर रहा था, गूगल पे/फोन पे स्केनर से पैसा ट्रान्जेक्सन करता था। बदरा, कोतमा, फुनगा के आम लोगों को 1000-2000 रूपये का कमीशन देकर उन लोगो का गूगल/फोन पे स्केनर पीड़ितों को देकर उसमें पैसा ट्रान्जेक्सन कराता था। फिर उनसे कैश पैसा लेकर उनको कुछ खर्चा 1000/- या 2000/- रुपये दे देता था और बाकी का पैसा लेकर आ जाता था। इस तरह अलग-अलग लोगो को अपना शिकार बनाता था, (इस तरह उपयोग में लाए खातों को म्यूल एकाउंट कहा जाता है)

पुलिस अधीक्षक ने जारी की एडवायजरी, फोन पर जानकारी न बताएं...

अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के द्वारा जिले के सभी छात्राओं/छात्रों/नागरिकों को जानकारी देते हुए एडवायजरी जारी किए हैं कि कोई भी कॉलर आपसे स्कूल कॉलेज या बैंक का ओटीपी पूछे तो उसे फोन पर कोई जानकारी न बताएं। किसी भी फ्रॉड की स्थिति में 1930 पर शिकायत तत्काल दर्ज कराएं। उक्त कार्यवाही में इंस्पेक्टर जेएस पटेल,एएसआई गीता बेन रबारी, आर. हितेश डाभी, आर. अजय सिंह जडेजा सायबर सेल गाँधीनगर गुजरात व चौकी प्रभारी उप. निरीक्षक सुमित कौशिक , सउनि कोमल अरजरिया, प्र.आर. 161 सुर्यभान सिंह, सै. 105 रामकमल तिवारी, आर. 345 राकेश कनासे शामिल रहे। वहीं आरोपी के पास से बरामद सामग्री में 02 नग एन्ड्रोईड मोबाइल फोन, 04 नग जियो सिम, व्ही आई सिम 01 नग, एयरटेल सिम 07 नग, बैंक की पास बुक पीएनबी,एचडीएफसी, एक्सिस ,फिनो बैंक एवं क्रेडिट डेबिट कार्ड 08 नग शामिल हैं।

इशांक केशरवानी ने आपात स्थिति में किया रक्तदान

कहा...रक्तदान मानव सेवा की कड़ी में सर्वोत्तम कार्य

-बागी कलम-

अनूपपुर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शिव मारुति युवा संगठन सामतपुर के एकमेव सचिव गौ सेवक समाजिक, धार्मिक कार्य मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एवं सक्रिय रक्तदाता इशांक केशरवानी ने सूचना मिलते ही शनिवार को जिला अस्पताल जाकर आपात स्थिति में रक्त की कमी से जूझ रहे मरीज के लिए रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। इस मौके पर ईशांक ने कहा कि जरूरतमंद की मदद के लिए हर समय तत्पर रहना रक्तदाताओं का फर्ज है। रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद मरीज का जीवन बचाया जा सकता है इसलिए रक्तदान को मानव सेवा की कड़ी में सर्वोत्तम माना गया है। साथ ही रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों का जीवन बचाने के लिए आगे आना प्रेरणादायी कदम साबित होता है। हम आपको बता दें कि शिव मारुति युवा संगठन का हर सदस्य समाजसेवा के सभी कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है। संगठन के सदस्यों का मानना है कि युवाओं में सेवा भाव की भावना पैदा कर ही समाज और राष्ट्र का भला हो सकता है तथा रक्तदान से बड़ी सेवा भावना दूसरी नहीं हो सकती। वर्तमान स्थिति में हर युवा को स्वयं रक्तदान के लिए जागरूक होने के साथ-साथ समाज को भी जागरूक करने के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर संगठन के सभी सदस्यों एवं जरूरतमंद के परिजनों ने इशांक केशरवानी को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नेशनल कबड्डी के लिए रोशन का हुआ चयन

-संवाददाता-

सूरजपुर/प्रेमनगर,16 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक,शिक्षा सरगुजा संभाग में पत्रानुसार नरसिंहपुर (म.प्र.) में दिनांक 16. 11. 2024 से 20. 11. 2024 तक आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कबड्डी बालक/ बालिका 17 वर्ष का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर के रोशन सिंह राज उईके का चयन हुवा है। इस शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024 - 25 हेतु जिला स्तर पर एवं जिला से राज्य स्तरों पर प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई। जहां प्रतिभावान उत्कृष्ट छात्रों का चयन कर नेशनल स्तर पर खेल के लिए छत्तीसगढ़ से 14 नवंबर को रवाना किया गया। ज्ञात हो कि छात्रों के हुनर को निखारने व प्रोत्साहित करने भारत सरकार राष्ट्रीय खेल शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में नेशनल कबड्डी के लिए सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले से शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर के उत्कृष्ट खिलाड़ी रोशन राज उईके कक्षा 11 वीं का चयन हुआ है। जो इस क्रीड़ा में शामिल होने 14 नवंबर को 17 से 20 नवंबर तक होने वाले राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर खेल स्टेडियम के लिये रवाना हुए है।

CMYK

भारत के एक्शन के बाद होश में आया पाकिस्तान

» अब पीओके की जगह इन शहरों में जाएगी चैंपियंस ट्रॉफी...

इस्लामाबाद,16 नवंबर 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इस बार पाकिस्तान को चुना गया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट के लिए काफी तेजी से तैयारियां भी कर रहा है। मगर बीसीसीआई ने साफ तौर पर आईसीसी को यह बता दिया है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरान नहीं करेंगे। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस बात की जानकारी भी दे दी है। हालांकि पीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि वह भारत के लिखित में कारण मांगे। इसके कारण अभी तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल भी जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जा सकता है। इसी बीच पाकिस्तान ने एक ऐसी हरकत कर दी थी, जिसे लेकर भारत को तुरंत एक्शन लेना पड़ा है।

भारत ने जताई थी आपत्ति

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से 14 नवंबर की शाम इस बात का ऐलान किया गया था कि चैंपियंस ट्रॉफी 14 नवंबर को इस्लामाबाद पहुंची। इसके बाद 16 नवंबर से 24 नवंबर तक ट्रॉफी को पूरे पाकिस्तान में ले जाया जाएगा। पीसीबी ने इस बात को लेकर अपने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी। जहां उन्होंने बताया है कि ट्रॉफी स्कार्दू, मरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थानों पर जाएगी। इन चार स्थान में सिर्फ मरी पाकिस्तान का हिस्सा है। इसके अलावा तीन अन्य स्थान स्कार्दू, हुंजा और मुजफ्फराबाद पीओके में आते हैं।

पाकिस्तान के इन शहरों में जाएगी ट्रॉफी

भारत को पाकिस्तान का ये फैसला पसंद नहीं आया। जिसके बाद बीसीसीआई ने आपत्ति जताई और आईसीसी ने इस पर तुरंत एक्शन ले लिया है। अब चैंपियंस ट्रॉफी का टूर पीओके में नहीं जाएगा। इसके लिए आईसीसी ने नए शहरों का चुनाव किया है। जिसमें ट्रॉफी 16 नवंबर को इस्लामाबाद, 17 नवंबर को तक्षशिला और खानपुर, 18 नवंबर को एबटाबाद, 19 नवंबर को मुरी, 20 नवंबर को नथिया गली, और 22 से 25 नवंबर तक कराची का टूर करेगी। इसके बाद ट्रॉफी को अफगानिस्तान ले जाए जाएगा। आईसीसी ने जिन नए शहरों के चुनाव किया है उसमें पीओके का कोई भी शहर इस बार शामिल नहीं है।

खेल की संक्षिप्त खबरें

इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए ओबेड मैककॉय वेस्टइंडीज टीम में शामिल

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया),16 नवंबर 2024। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के बाकी बचे मैचों के लिए मैथ्यू फोर्ड की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेड मैकॉय को टीम में शामिल किया है।

मेगा ऑक्शन के लिए शॉर्टलिस्ट हुए 574 खिलाड़ी

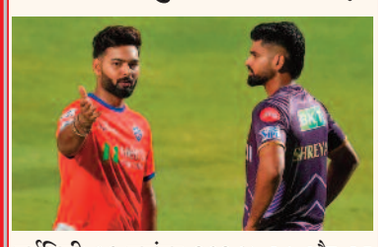

नईदिल्ली,16 नवंबर 2024। 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाली नीलामी के लिए 1574 खिलाड़ियों ने अपने नाम ड्राफ्ट किए थे। लेकिन, सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने मिलकर 574 खिलाड़ियों के नाम ही शॉर्टलिस्ट किए हैं। इसमें से ज्यादा से ज्यादा 204 प्लेयर्स ही बिकेंगे, क्योंकि इतने ही स्लॉट खाली हैं।

मेगा ऑक्शन में 14 साल के खिलाड़ी की एंट्री

वैभव सूर्यवंशी कम उम्र में मचा चुका है तहलका

नईदिल्ली,16 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के लिए खिलाड़ियों की फाइनल लिस्ट जारी हो गई है। इसमें सबसे कम उम्र के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी हैं. वे महज 14 साल के हैं. वैभव बहुत ही कम उम्र में नाम कमा रहे हैं. उन्होंने 5 साल की उम्र से क्रिकेट की शुरुआत कर दी थी।

वैभव का नाम आईपीएल मेगा ऑक्शन के फाइनल खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया है। वे 30 लाख रुपए के बेस प्राइस के साथ ऑक्शन लिस्ट में शामिल हुए हैं। वैभव अभी तक कई घरेलू टूर्नामेंट्स में खेल चुके हैं. वे रणजी ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और वीनू मांकड़ ट्रॉफी में हिस्सा ले चुके हैं। इसके साथ-साथ भारत की अंडर-19 टीमके लिए भी चुना गया था।

दिलचस्प बात यह भी है कि वैभव सूर्यवंशी बैटिंग के साथ-साथ बॉलिंग में भी माहिर हैं. वेलेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स बॉलर हैं।

बीसीसीआई ने मेगा ऑक्शन के लिए 81 खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपए के बेस प्राइस के साथ फाइनल लिस्ट में जोड़ा है. इसमें श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत का नाम शामिल है।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन का आयोजन 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होना है. इसके लिए कुल 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था लेकिन फाइनल 574 प्लेयर ही हुए।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल की बड़ी जीत

मैड्रिड,16 नवंबर 2024। स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल के दम पर पुर्तगाल ने पोलैंड को 5-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड ने क्रोएशिया को 1-0 से हराकर नौ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर पर बने रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। इस बीच बुखारेस्ट में रोमानिया और कोसोवो के बीच मैच को इंजरी टाइम में रोक दिया गया और बाद में इसे गोल रहित ड्रॉ पर रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई और कोसोवो के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए।

भारतीय बॉक्सर ने अमेरिका की धरती पर उड़ाया गर्दा

दुश्मन को एकतरफा मैच में दी पटखनी

टेक्सास,16 नवंबर 2024। नेटफिलिक्स इवेंट में जेक पॉल ने दिग्गज बॉक्सर माइक टायसन के खिलाफ बॉक्सिंग मैच लड़ा। इस इवेंट का आयोजन एलिंगटन, टेक्सस के एटीएण्डटी स्टेडियम में हुआ। इसी इवेंट में भारतीय बॉक्सर नीरज गोयत का मैच भी हुआ। इस मुकाबले में उनके प्रतिद्वंदी विंधरसन न्यूनेस थे और ये मैच सुपर मिडिलवेट डिवीजन में हुआ। नीरज डब्ल्यूबीसी रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय बॉक्सर हैं।अगर गोयत के विंधरसन न्यूनेस के खिलाफ हुए बॉक्सिंग मैच की बात करें तो ये एकतरपा मुकाबला साबित हुआ। इस मैच में भारतीय बॉक्सर ने न्यूनेस पर अपना दबदबा बनाए रखा। नीरज गोयत ने इस नॉन टाइटल मैच के छठे राउंड में विंधरसन को 60-54 से हराया। वहीं इस मुकाबले में तीनों जज ने मुकाबले का नतीजा गोयत के पक्ष में दिया। देखा जाए तो नीरज की ये बड़ी जीत है और उन्होंने इस जीत के लिए अमेरिका की धरती पर भारत का परचम लहराया है।

माइक टायसन को जेक पॉल ने किया परास्त

टेक्सास,16 नवंबर 2024। पूर्व हैवीवेट चैंपियन मुक्केबाज माइक टायसन अमेरिका के टेक्सस केएटीएण्डटी स्टेडियम में खेले गए साल के सबसे बड़े बॉक्सिंग में 27 साल के मुक्केबाज जेक पॉल से हार गए। 58 साल के टायसन आठों राउंड तक डटे रहे लेकिन आखिर में वह बाउट में हार गए। सबसे बड़ी बात ये है कि पॉल विपक्षी मुक्केबाजों को नॉकआउट करने लिए मशहूर हैं लेकिन वो टायसन को हिला नहीं पाए और वो आठवें राउंड तक डटे रहे। पॉल ने 8 राउंड के बाद 78 अंक हासिल किए जबकि टायसन को 74 पॉइंट मिले।

विश्व चैम्पियनशिप में डिंग के खिलाफ गुकेश जीत के दावेदार

कोलकाता,16 नवंबर 2024। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन का मानना है कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर भारतीय स्टार डी गुकेश इस महीने के अंत में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। गुकेश 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में होने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन डिंग से भिड़ेंगे। इस साल की शुरुआत में टोरंटो में आयोजित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतने के बाद 18 साल के गुकेश ने फाइनल में जगह पक्की की थी।

कार्लसन ने यहां टाटा स्टील शतरंज इंडिया रैपिड टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, ''मैं उस मुकाबले के बारे में कुछ खास नहीं कहना चाहता। मौजूदा फॉर्म के आधार पर हालांकि गुकेश का पलड़ा थोड़ा भारी है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि शीर्ष स्तर पर शतरंज खेलने की क्षमता के आधार पर यह काफी हद तक बराबरी का मुकाबला होगा। डिंग अगर अपनी लय को हासिल करने में सफल रहे तो उसके पास भी जीतने का अच्छा मौका होगा। गुकेश अपने पिछले टूर्नामेंट में दबाव मे बिखर जा रहे थे।'' कार्लसन ने कहा, '' मुझे अगर भविष्यवाणी करनी हो तो मैं उस खिलाड़ी का नाम लेना चाहूंगा जिसका समग्र प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा रहा है और इस मामले में गुकेश आगे हैं।

एक्शन से भरपूर वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का धमाकेदार टीजर आउट

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के साथ सिटाडेल हनी बनी में नजर आ रहे हैं। इस सीरीज को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है, जिसको दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म में वरुण एक्शन में मोड में नजर आ रहे हैं। उनके किरदार को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक्शन से भरपूर इस सीरीज के बाद वरुण धवन जल्द ही एक और नई एक्शन से भरपूर फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका हाल ही में उन्होंने टीजर जारी किया है.जी हां, सिटाडेल हनी बनी के बाद वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग नई फिल्म बेबी जॉन को लेकर बिजी हो चुकी हैं और उनकी रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पुलिस अवतार की एक झलक फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसको देखने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। इस वीडियो में वरुण पहली बार पूरी तरह से एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरे जैसे कई आए होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। ये किरदार वरुण धवन के अब तक के निभाए गए सभी किरदारों से बिल्कुल अलग है और फैंस को उनका नया अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इस टीजर से पहले भी फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था. उसको भी काफी पसंद किया गया था, जिसे टेस्टर कट कहा गया था। ये टीजर सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। टीजर देखने के बाद ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में एक्शन और इमोशन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। वरुण फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म में सिंगल पिता का किरदार भी निभाने वाले हैं। टीजर में उनके दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन सीन फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। इस फिल्म में वरुण के साथ तमिल एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश नजर आने वाली हैं, जबकि जैकी श्रॉफ विलेन के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव और कई कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को कलीस ने डायरेक्ट किया है और ये फिल्म इसी साल क्रिसमस पर 25 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज होगी. इसे जियो स्टूडियोज, ए फॉर एप्पल स्टूडियो और सिने1 स्टूडियो के सहयोग से बनाया गया है।

हनुमान बनेंगे प्रभास...केजीएफ के मेकर्स ने जारी किया शॉकिंग पोस्टर

ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ के मेकर्स ने हाल ही में एक सरप्राइजिंग पोस्टर शेयर किया है जिसे देखते ही फैंस एक्साइटेड भी हैं और कंफ्यूज भी कि ये पोस्टर किस प्रोजक्ट का है। दरअसल हाल ही में होम्बले फिल्म्स ने प्रभास के साथ तीन मेगा प्रोजेक्ट का एलान किया था ये उनमें एक का अनाउंसमेंट हो सकता है या फिर कोई प्रोजेक्ट हालांक इसका आज 16 नवंबर को हो जाएगा। पोस्टर में क्या है.होम्बले फिल्म्स ने जो पोस्टर रिलीज किया है उसमें सिर्फ एक हाथ नजर आ रहा है जो किसी माइथोलॉजिकल फिल्म का लग रहा है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जब आस्था को चुनौती दी जाती है, तो वह प्रकट होता है. पहली झलक आज 16 नवंबर को दोपहर 3:33 बजे. हालांकि यह अनाउंसमेंट ऑफिशियल है लेकिन अभी तक पता नहीं चला है कि ये पोस्टर किस फिल्म और किस एक्टर का है. इसका पता चल ही जायेगा। हाल ही में सालार और केजीएफ के मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने 8 नवंबर को प्रभास के फैंस को बड़ी गुडन्यूज दी। होम्बले फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था- रेबल स्टार प्रभास के साथ जुड़कर बहुत हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है, हम प्रभास के साथ इंडियन सिनेमा को वर्ल्ड लेवल तक पहचान दिलाने के लिए तीन फिल्मों का एलान करते हैं, प्रभास के साथ फिल्म का यह हमारा कमिटमेंट नया सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देगा, जो कभी ना भुला पाने वाला होगा, स्टेज सज चुकी है और अब रास्ते की कोई सीमा नहीं है, तैयार रहें, सालार 2 के साथ हमारा यह सफर शुरू होता है। अब होम्बले फिल्म्स ने इस अनाउंसमेंट के साथ फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। इसीलिए फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि हो ना हो ये फिल्म प्रभास की ही है। बता दें प्रभास की तीनों फिल्में साल 2026, 2027, 2028 तक रिलीज होंगी। यानि प्रभास अब तीन साल तक होम्बले फिल्म्स के लिए बुक हो गए हैं। इस अनाउंसमेंट के बाद से प्रभास के फैंस काफी खुश और एक्साइटेड हो गए और अब इस नए अनाउंसमेंट के बाद से फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। बता दें, प्रभास बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चा में हैं. प्रभास के फैंस को इस फिल्म का भी बेसब्री से इंतजार है।

गुलाबी साड़ी पहन सुरभि चंदना ने बिखेरा जलवा

कातिलाना अदाओं से जीत लिया फैंस का दिल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। सुरभि ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सो ब्यूटिफुल। सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नक्सलियों के खिलाफ फिर बड़ा ऑपरेशन

- मुठभेड़ में पांच ढेर...
- फायरिंग में घायल जवान लाए गए रायपुर...
- अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी रहा...
- मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पांच नक्सलियों को मार गिराया...
- डीआरजी,एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन...

नारायणपुर,16 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित उत्तर अबूझमाड़ के कांकेर और नारायणपुर जिलों के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में बड़ी सफलता प्राप्त की है। इस मुठभेड़ में दो महिलाएं सहित पांच नक्सली ढेर हो गए हैं। घटनास्थल से सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है, जिनमें सेल्फ लोडिंग रायफल (एसएलआर), इंसास रायफल और अन्य भारी हथियार शामिल हैं।

मुठभेड़ के दौरान कांकेर डीआरजी के कांस्टेबल हीरामन यादव और बस्तर फाइटर के कांस्टेबल खिलेश्वर गावड़े भी घायल हो गए हैं। घायल दोनों जवानों को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया। घायल जवानों को रायपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। घटना स्थल से मिले खून के धब्बों के आधार पर पुलिस का दावा है कि मुठभेड़ में कई और नक्सली मारे गए हैं और घायल हुए हैं। कांकेर एसपी आइके एलसेला ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद नारायणपुर और कांकेर जिलों से डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त बलों को अबूझमाड़ क्षेत्र में भेजा गया था।

शनिवार की सुबह करीब आठ बजे जब सुरक्षा बलों की टीम उत्तरी अबूझमाड़ के जंगलों में पहुंची, तो घात लगाए बैठे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच करीब चार घंटे तक संघर्ष हुआ। नक्सलियों को भारी पड़ता देख वे घटनास्थल से भागने में सफल रहे।

सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों को दो महिलाओं सहित पांच नक्सलियों के शव और कई हथियार मिले। इस साल अब तक नक्सल विरोधी अभियानों में 197 नक्सलियों को मार गिराया गया है, जिनमें 69 महिला नक्सलियां भी शामिल हैं। इस दौरान 782 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 783 ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस ने इस अभियान में बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एलएमजी रायफल, एके 47 रायफल, इंसास रायफल, एसएलआर रायफल, कार्बाइन, पिस्टल और अन्य हथियार शामिल हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने जारी किया 2025 का छुट्टी कैलेंडर

बिलासपुर,16 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 2025 के लिए अपना वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसमें कुल 26 दिनों के त्योहार अवकाश, 26 दिनों का ग्रीष्मकालीन अवकाश और 10 दिनों का शीतकालीन अवकाश निर्धारित किया गया है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट 12 मई से 6 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद रहेगा। हालांकि, इस अवधि में रजिस्ट्री कार्यालय खुला रहेगा।

शीतकालीन अवकाश

22 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। इस दौरान 22 से 24 दिसंबर तक रजिस्ट्री कार्यालय खुला रहेगा, जबकि 26 से 31 दिसंबर तक यह बंद रहेगा। इसके अतिरिक्त, हाई कोर्ट प्रत्येक रविवार और महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को बंद रहेगा। कैलेंडर में छत्तीसगढ़ और देशभर में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों और विशेष अवसरों को ध्यान में रखते हुए छुट्टियों का निर्धारण किया गया है।

रायपुर क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स सरगना आयुष अग्रवाल को किया गिरफ्तार

रायपुर,16 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ड्रग्स के धंधे में संलिप्त एक अपराधी गैंग के सरगना आयुष अग्रवाल उर्फ प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आयुष अग्रवाल राजधानी समेत प्रदेशभर में अवैध रूप से ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था, और जेल से छूटने के बाद फिर से अपने गैंग को सक्रिय कर रहा था। राजधानी में ड्रग्स की सप्लाई बढ़ने की शिकायतों के बाद रायपुर क्राइम ब्रांच ने गुप्त सूचना मिलने पर प्रोफेसर को गिरफ्तार किया। आयुष अग्रवाल को पहले भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका था।

छत्तीसगढ़ में सर्द हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

रायपुर,16 नवम्बर 2024(ए)। प्रदेश में मौसम ने करवट बदल ली है। लगभग सभी हिस्सों में हल्की ठंड तो कहीं कड़ाके की ठंड शुरू हो चुकी है। लोग अपने आप को ठंड़ी हवाओं से बचाने के लिए अलाव का सहारा लेने लगे हैं। छत्तीसगढ़ में आसमान साफ होते ही सर्दी का असर बढने लगा है। वर्तमान में रायपुर समेत सभी जिलों में दिन और रात के पारा में गिरावट होने से ठिठुरन बढ़ रही है। दरअसल, द्रोणिका के प्रभाव के कारण हवा में नमी की मात्रा घट रही है, जिसके बाद तापमान में गिरावट हो रही है। मौसम विभाग की माने तो अगले 2 से दिनों के भीतर तापमान में 5 से 6 डिग्री गिरावट के आसार है। बता दें कि उत्तर-पूर्वी राज्यों में जल्द ही बर्फबारी शुरू होगी। इसका सीधा असर छत्तीसगढ़ के तापमान पर पड़ेगा, जिससे दिन और रात दोनों समय ठंड बढने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि, दिसंबर से ही तेज सर्दी की शुरूआत होगी। वहीं नवंबर के दूसरे व चौथे सप्ताह में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हल्की बारिश हो सकती है।

नशे में कुर्सी पर सोते हुए मिला शिक्षक

- नशे की हालत में स्कूल में ऐसा काम करते पकड़ा गया टीचर...
- बहाना सुन सभी हैरान,छात्रों ने बना लिया वीडियो...
- शराब के नशे में स्कूल पहुंचा टीचर
- छात्रों ने वीडियो बनाकर किया वायरल...
- अधिकारी ने दिया जांच का निर्देश...

कोरबा,16 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक शिक्षक नशे की हालत में स्कूल पहुंचा और कुर्सी पर ही सो गया। क्लास में मौजूद बच्चों ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। नशे की हालत में स्कूल पहुंचा टीचर क्लास में ही सोते दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, मामला जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के माचाडोली हायर सेकेंडरी स्कूल का बताया जा रहा है। हालांकि वायरल वीडियो में टीचर का कहना है कि वह नशे की हालत में नहीं है बल्कि थक गया था तो क्लास में उसे नींद आ गई। जबकि क्लास के बच्चों का कहना है कि टीचर नशे की हालत में स्कूल आए थे।

छात्रों ने वीडियो बनाकर किया वायरल

शिक्षक का नाम योगेश कुमार है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि वह कुर्सी पर ही सो रहे हैं। टेबल के नीचे पैस फैलाकर शिक्षक मजे से कुर्सी में हो रहा है। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने टीचर योगेश कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। छात्रों का कहना है कि यह पहला मौका नहीं है शिक्षक अक्सर नशे की हालत में स्कूल में आते हैं।

शिक्षक ने कहा- थकान के कारण आई नींद

वायरल वीडियो 11 नवंबर का बताया जा रहा है। टीचर योगेश कुमार क्लास में पहुंचे और कुर्सी पर ही पैर फैलाकर सो गए। टीचर को नशे की हालत में देख वहां मौजूद किसी छात्र ने उनका वीडियो बना लिया और वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षक योगेश कुमार ने कहा कि वह किसी के दशगात्र कार्यक्रम में गए थे। वहां से लौटने के कारण थकावट हो गई थी। जिस कारण से उन्हें क्लास में नींद आ गई और वह सो गए।

जांच के लिए टीम गठित

जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय इस मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। जांच के लिए उन्होंने टीम भी गठित की है। शिक्षक योगेश कुमार को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि यदि जांच में शराब पीकर स्कूल आने की बात सही साबित होती है को उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

पहले भी आ चुके हैं कई मामले

छत्तीसगढ़ में शराब के नशे में टीचर के स्कूल पहुंचने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले ही कई जिलों में इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। जशपुर जिले में एक स्कूल के हेड मास्टर नशे की हालत में स्कूल में लुंगी और बनियान पहनकर पहुंच गए थे।

भूपेश बघेल के करीबी केके श्रीवास्तव का महादेव बेटिंग एप से जुड़ाव

ईडी की जांच में बड़ा खुलासा

रायपुर,16 नवम्बर 2024(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी केके श्रीवास्तव के खिलाफ ईडी में दर्ज ईसीआइआर की शुरुआती जांच में कई बड़े राजफाश हुए हैं। जांच में महादेव बेटिंग एप से जुड़ी कई कड़ियां भी सामने आई हैं। दरअसल रावत एसोसिएट्स से प्राप्त फंड एरोजेट एंटरप्राइजेज को भेजे गए थे। यह कोलकाता स्थित मजेस्टिक कमर्शियल से जुड़ा हुआ है और महादेव बेटिंग एप से संबंधित है।

मनी लॉन्ड्रिंग लिंक की जांच के दौरान फोरेंसिक ऑडिट में धोखाधड़ी का नेटवर्क उजागर हुआ है। फोरेंसिक ऑडिट में केके श्रीवास्तव की मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क में भी संलिप्तता सामने आई है। यह महादेव बेटिंग एप से जुड़े वित्तीय गतिविधियों से संबंधित है।नकदी को विदेशी खातों में किया ट्रांसफरजांच में यह भी साफ हुआ है कि कागजी कंपनियों के जरिए नकदी को विदेशी खातों में स्थानांतरित किया गया है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन भी किया गया है। फिलहाल रायपुर पुलिस के अलावा ईडी भी श्रीवास्तव की तलाश में जुटी हुई है। रायपुर एसएसपी संतोष सिंह ने आरोपी का पता बताने वाले को इनाम देने की घोषणा की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर जोनल ऑफिस ने केके श्रीवास्तव के खिलाफ धन शोधन निरोधक अधिनियम की धारा 3 के तहत प्रवर्तन केस सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) तेलीबांधा पुलिस थाने में दर्ज की है। श्रीवास्तव पर नोएडा की रावत एसोसिएट्स नामक निर्माण कंपनी को स्मार्ट सिटी योजना के तहत सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर 15 करोड़ रुपये का धोखा देने का आरोप है।

सोशल मीडिया पर छाई छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति

नंबर वन पर करती रही ट्रेंड

रायपुर,16 नवम्बर 2024 (ए)। 14 नवंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का विमोचन किया। इसके बाद, इस नीति को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूरे दिन ट्रेंड करता रहा और पहले नंबर पर रहा। यह छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री की ओर से औद्योगिक नीति की घोषणा का हिस्सा है।

राज्य गठन के 25 वें वर्ष और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर, मुख्यमंत्री साय ने नई औद्योगिक नीति का विमोचन किया और इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति का निर्माण सभी की सहभागिता से किया गया है। यह राज्य की छठी औद्योगिक नीति है, जिसमें युवाओं को रोजगार, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का उद्देश्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस नई नीति से अग्निवीरों और अनुसूचित जनजाति के युवाओं के लिए रोजगार और स्वावलंबन के अवसर पैदा होंगे। नीति में पर्यावरण संरक्षण के लिए भी उपयुक्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लागत कम करने, औद्योगिक पार्क, रेल, सड़क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर दिया जाएगा।

पटवारियों ने अधिकारियों पर लगाया गंभीर आरोप

रायपुर,16 नवम्बर 2024 (ए)। संसाधनों और सुविधाओं के अभाव में जूझ रहे प्रदेश के पटवारियों पर आला अफसरों द्वारा अवकाश के दिन भी दबाव डालकर काम लेने से अब नाराजगी फूट रही है। पटवारियों ने डरा-धमकाकर काम लेने के खिलाफ अब मोर्चा खोलने का मन बना लिया है। वहीं तीन माह पूर्व दिए गए आश्वासन को नजरअंदाज करने पर भी रणनीति तय होगी। राजधानी में 17 नवंबर को राजस्व पटवारी संघ जुटेगा। इस दौरान राज्य सरकार के कोरे आश्वासन और शीर्ष अधिकारियों की प्रताड़ना पर मंथन कर फैसले लिए जाएंगे। राज्य शासन द्वारा मौखिक समझौते से पलटने के अलावा अफसरों की प्रताड़ना के खिलाफ राजस्व पटवारी संघ रणनीति तय करेगा। संघ ने इस बात पर विरोध जताया कि संसाधानों के अभाव में भी आला अफसर उनसे 6जी की स्पीड से दबावपूर्वक काम लेने धमकाने लगे हैं। अवकाश के दिनों में भी दबाव बनाया जा रहा है. वहीं आधी रात को वॉट्सएप के जरिए मैसेज डालकर तत्काल जानकारी मांगने कहा जाता है. जमीनी समस्याओं को नजरअंदाज कर समूह के कार्यों को अकेले पटवारियों से करने दबाव बनाया जा रहा है. एक ही समय में कई कार्यों को तत्काल नहीं करने पर कार्रवाई की धमकी देकर प्रताड़ित करने के खिलाफ भी मोर्चाबंदी होगी.

अब संपत्ति रजिस्ट्री में गाइड लाइन दर पर ही लगेगा शुल्क

रायपुर,16 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्ति खरीदने वाले मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ी राहत दी है। अब किसी भी प्रापर्टी की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर से सौदे की रकम अधिक होने पर भी रजिस्ट्री शुल्क गाइड लाइन दर के अनुसार ही लिया जाएगा। इससे बैंक लोन पर निर्भर मध्यम वर्गीय परिवार को वास्तविक मूल्य के आधार पर ऋण मिल सके गा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की अध्यक्षता में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले से विशेषकर उन नागरिकों को लाभ होगा, जो बैंक ऋण के माध्यम से संपत्ति खरीदते हैं। पूर्व में संपत्ति की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर और सौदे की राशि में जो भी अधिक होता था, उस पर रजिस्ट्री शुल्क देना आवश्यक था। उदाहरण के लिए यदि किसी संपत्ति का गाइड लाइन मूल्य 6 लाख रुपये है और उसका सौदा 10 लाख में हुआ, तो रजिस्ट्री शुल्क 10 लाख पर 4 प्रतिशत के हिसाब से 40 हजार रुपये देना पड़ता था।

इस नियम में संशोधन के बाद संपत्ति खरीदने वाले अब सौदे की रकम गाइड लाइन दर से अधिक होने पर भी वास्तविक मूल्य को अंकित कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। 6 लाख रुपये की गाइड लाइन मूल्य वाली प्रॉपर्टी का सौदा 10 लाख में होता है, तो भी रजिस्ट्री शुल्क 6 लाख के 4 प्रतिशत के हिसाब से 24 हजार रुपये देय होगा। इस तरह 16 हजार रुपये की बचत होगी।

खास बात यह है कि इस संशोधन से मध्यम वर्गीय परिवारों को वास्तविक मूल्य के आधार पर अधिक बैंक ऋण प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इसके अलावा इस निर्णय संपत्ति बाजार में पारदर्शिता व स्पष्टता को बढ़ाने में भी सहायक होगा और वास्तविक मूल्य दर्शाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा।

सक्ती स्वास्थ्य विभाग में हुआ बड़ा घोटाला

दिवाली चंदा के नाम पर अवैध वसूली का मामला आया सामने

सक्ती,16 नवम्बर 2024(ए)। जिला स्वास्थ्य विभाग अपने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के सुधार को दर किनार कर इन दिनों अवैध वसूली में लगा हुआ है। दिवाली मनाने के नाम पर जिले भर के पैथोलेब, निजी अस्पतालों सहित झोलाछाप डाक्टरों से जमकर वसूली के आरोप लग रहें हैं।

दिवाली चंदा के नाम पर मोटी रकम वसूली

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कार्यालय सीएमएचओ जिला सक्ती से निर्सिंग होम एक्ट के तहत निजी अस्पताल,लैब,क्लीनिक संचालकों से दिवाली चंदा के नाम पर मोटी रकम वसूली की गई है। चंदा नहीं देने पर निजी अस्पताल लैब क्लीनिक पर कार्रवाई कर लाइसेंस प्रकिया रोकने की धमकी तक दी । निजी चिकित्सा संस्थानों के संचालन के लिए लाइसेंस जिला कलेक्टर के द्वारा जारी किया जाता है कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से निरीक्षण कर प्रतिवेदन किया कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है तत्पश्चात जिला कलेक्टर की हस्ताक्षर से लाइसेंस जारी होता है। इसके बावजूद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से लाइसेंस के एवज में वसूली की जा रही है।

विभाग आज भी मरणाशन्न स्थिति में

अवैध क्लीनिक संचालकों की शिकायत करने पर विभाग द्वारा निरीक्षण के आड़ में वसूली कर शिकायतों की खाना पूर्ति कार्रवाई कर दी जा रही है। सीएमएचओ के ज्वाइनिंग के बाद से ही स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है, जहां लोग अपना इलाज कराने जाते हैं वही विभाग आज मरणाशन्न स्थिति में है और विभागीय अधिकारी व्यवस्था सुधारने के बजाए अवैध वसूली में पूरी तरह से मशगूल नजर आ रहे हैं।

झोलाछाप डाक्टरों से भी मोटी रकम वसूल रहेंलगातार डीपीएम पर भी आरोप लगा रहें है कि वे अपना काम छोड़ सीएमएचओ के साथ घूमते नजर आते हैं और सीएमएचओ को अपने हिसाब से चला रहे हैं। कुछ विभागीय कर्मचारियों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि सीएमएचओ और डीपीएम लगातार अपनी मनमानी करते नजर आ रहें है, स्वास्थ्य विभाग को ठीक करने के बजाए कुछ लोगो के साथ राजनीति करते हुए विभाग की ही फजीहत कराने लगे हुए हैं, और अवैध वसूली पर पूरी तरह से फोकस करते हुए झोलाछाप डाक्टरों से भी मोटी रकम वसूल रहें हैं

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)